वर्ष: २ | अंक: ३४४

जयपुर, शुक्रवार, २४ नवंबर, २०२३ | कार्तिक, शुक्ल पक्ष- द्वादशी, विसं २०८०

पृष्ठ: १० | मूल्य: २.००





खशहाल राजस्थान बनाएंगे भाजपा को लाएंगे





मेरा वोट सुरक्षा को



मेरा वोट सस्ते गैस सिलेंडर को



मेरा वोट पक्के घर को



मेरा वोट युवाओं के उज्जवल भविष्य को



मेरा वोट किसान सम्मान को



मेरा वोट बढ़ी हुई पेंशन को



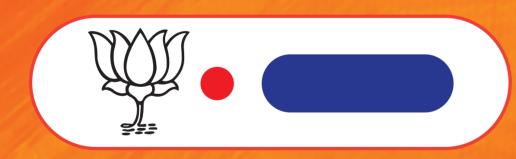
मेरा वोट सस्ता पेट्रोल-डीजल दिलाने वालों को



मेरा वोट पेपर लीक की जांच के लिये SIT को



मेरा वोट २४x७ बिजली-पानी को



कमल का बटन दबाएं भाजपा को जिताएं



जन-जन की पुकार, आ रही है भाजपा सरकार

Sec. (3)

📗 जरूरी खबर

जनता मतदान से देगी पीएम मोदी को जवाब



बेधड़क, जयपुर। खान मंत्री प्रमोद जैन भाया ने गुरूवार को प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर पलटवार किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भ्रष्टाचार को लेकर एक रैली में दिए गए बयान भाया रे भाया, खूब खाया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जनता मतदान के दिन मोदी के आरोपों का जवाब देगी। उन्होंने कहा कि मैंने बहुत सारे विकास कार्य किए हैं और मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोग इसे अच्छी तरह से जानते हैं। वे विकास के एजेंडे के लिए वोट करेंगे और मोदी के आरोपों का जवाब 25 को देंगे।

ये बारह दस्तावेज मतदान के लिए होंगे मान्य

बेधडक, जयपुर। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए 25 नवम्बर को होने वाले मतदान में निर्वाचन फोटो पहचान पत्र के अभाव में वैकल्पिक पहचान दस्तावेज दिखाकर वोट डाल सकेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि फोटो युक्त आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र, राज्य सरकार, पीएसयू, कंपनियों के जारी किए गए सेवा पहचान पत्र, बैंक, डाकघर द्वारा जारी पासबुक, आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों, विधायकों, एमएलसी को जारी किए गए पहचान पत्र और यूनिक डिसेबिलिटी आईडी से

राम मंदिर निर्माण का 100 करोड लोगों को श्रेय

भी मतदान किया जा सकेगा।



विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने गुरुवार को जोधपुर में केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण नहीं, बल्कि जीर्णोद्धार हो रहा है। मंदिर को तो राजा विक्रमादित्य ने बनवाया था। उन्होंने कहा कि अब तो केवल टूटे हुए मंदिर को वापस बनवाया जा रहा है, लेकिन बडा मंदिर बना है तो यह आनंद का विषय है। राम मंदिर बनाने का देश के सौ करोड लोगों को श्रेय जाता है। उन्होंने मोदी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि देश में पहली बार ऐसा हुआ है कि बहुसंख्यक हिंदू शरणार्थी बने हैं। मणिपुर में मैतेई समुदाय के लोग हिंदू हैं, लेकिन दुर्भाग्य है कि वे अपने ही घर में शरणार्थी बन गए हैं।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन भाजपा स्टार प्रचारकों ने दिखाया दमखम

राम मंदिर सिर्फ चुनावी नहीं, बल्कि देश का मुद्दा: हिमंत बिस्वा

राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए जारी प्रचार प्रसार का शोरगुल गुरुवार शाम को थम गया। अंतिम दिन नेताओं ने प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी। भाजपा के स्टार प्रचारकों ने भी एक के बाद एक सभाएं और रैलीयां की।

गरुवार को असम के मख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने विद्याधर नगर से भाजपा प्रतयाशी दीया कुमारी के लिए वोट की अपील की। वहीं केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने हिंडौन में सभा को संबोधित किया। असम के मुख्यमंत्री सरमा ने विद्याधर नगर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि दीया



कुमारी के पास राजनीतिक अनुभव के साथ-साथ लोगों को जोड़ने की भी क्षमता है।

हैं। देश के कोने-कोने में राम मंदिर की चर्चा हो रही है। 22 जनवरी उन्होंने कहा कि दीया कुमारी को राम मंदिर का प्रतिष्ठान हो रहा विद्याधर नगर की जनता के लिए है तो ऐसे में एक हिंदू होने के नाते विकास के नए आयाम खोलेंगी। उन्होंने कहा कि देश में इस समय इससे ज्यादा गौरव की बात क्या हो राम मंदिर से बड़ा मुद्दा क्या हो

सरकार हर मोर्चे पर विफल: त्रिवेदी भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी गुरुवार को

बीकानेर में मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने इस दौरान प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। प्रदेश में भाजपा के मख्यमंत्री चेहरे को लेकर त्रिवेदी ने कहा कि 2003 में मध्यप्रदेश और राजस्थान में पार्टी ने मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करके चुनाव लड़ा था, लेकिन उस वक्त छत्तीसगढ़ में किसी भी चेहरे को आगे नहीं किया गया था। वहीं, 2017 में उत्तर प्रदेश के चुनाव में भी मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में योगी आदित्यनाथ को आगे नहीं किया था। ऐसे में ये पार्टी की रणनीति है और पार्टी ही सब तय करती है। उन्होंने आगे कहा कि वसुंधरा राजे हमारी वरिष्ठ नेत्री हैं और चुनाव प्रचार के हर पोस्टर में उनकी फोटो नजर आ रही है। ऐसे में उनकी सक्रियता लगातार बनी हुई है और हमारा उद्देश्य राज्य से कांग्रेस की सरकार को उखाड फेंकना है।

पीएम मोदी के बदली देश की तस्वीर: बालियान

केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने गुरुवार को हिंडौन में बयाना रोड स्थित महाराज सूरजमल स्टेडियम में भाजपा प्रत्याशी राजकुमारी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। बालियान ने कहा कि 2009 से 2014 का दौर याद कीजिए। जब कांग्रेस सरकार में 1 हजार करोड़ के घोटाले होते थे। कांग्रेस घोटालों की सरकार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में हमेशा अखबारों में बम धमाकों की खबरें, साम्प्रदायिक दंगों की खबरें आया करती थीं. लेकिन 2014 में मोदी के पीएम बनने के बाद देश की तस्वीर बदल गई। अब दुश्मन देश को बुरी नजर से देखने से पहले हजारों बार सोचता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2014 के बाद देश को



विकास का नया आयाम दिया। शौचालय से स्वच्छता का अभियान पूरे देश में चलाया। राजस्थान में कांग्रेस सरकार जल जीवन मिशन में घोटाला कर जनता के पानी के पैसे खा गई। राजस्थान में ही सबसे महंगी बिजली, पेटोल व डीजल के दाम हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चुनाव के बाद भाजपा सरकार बनने पर किसान सम्मान निधि 6 हजार के बजाय 12 हजार रुपए करेगी।

विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन गरमाया राजनीतिक पारा

सकता है। यह सिर्फ एक चुनावी

मुद्दा नहीं है बल्कि यह देश का मुद्दा

देश को महंगाई, बेरोजगारी की आग में झोंक रही मोदी सरकार

बेधड़क, जयपुर। महाराष्ट्र के

बेधड़क । जयपुर

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन प्रदेशभर में कांग्रेस नेताओं ने दौरा किया। इस दौरान भाजपा की केंद्र सरकार कांग्रेस के निशाने पर रही। एआईसीसी के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि यह लड़ाई मेवा बनाम रेवड़ी की है। एक तरफ मोदी सरकार देश को महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार की आग में झुलसा रही है, जबकि दूसरी तरफ राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है जो समाज के आखिरी पंक्ति के हर व्यक्ति तक गारंटियों से राहत दे रही है।

जब हम लोगों को सस्ता राशन, सस्ती गैस, मुफ्त बिजली और मुफ्त इलाज मुहैया करवा रहे हैं तो नरेंद्र मोदी और भाजपा उन्हें रेवड़ियां कहते हैं। उन्होंने धन्ना सेठों को करोड़ों अरबों का मेवा खिलाया यह मेवा बनाम रेवडी की लड़ाई है। सुरजेवाला ने यह बातें प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री को, गृह मंत्री को, सब नेताओं को सुना। आपने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अशोक गहलोत और अन्य नेताओं को भी सुना होगा। कांग्रेस के चुनावी अभियान का सार है गौरव, गारंटी एआईसीसी के महासचिव बोले- यह लड़ाई मेवा बनाम रेवड़ी की



मोदी मॉडल की गारंटी एक्सपायर्ड

भाजपा और कांग्रेस की गारंटी के दो अलग-अलग मॉडल हैं। भाजपा के मॉडल में मोदी की एक्सपायर्ड गारंटी है। उन्होंने 15 लाख रुपए देने का वादा किया था, नहीं मिले, दो करोड लोगों को हर साल नौकरी देने का वादा किया था, नहीं मिली। दसरी तरफ कांग्रेस की गारंटी हैं। दस गारंटियों को आपने पूरी होते देखा है। अब सात गारंटी भी पूरी करेंगे।

के चुनावी अभियान का सार है निराशा, नकारात्मकता और नफरत है। उन्होंने कहा कि एक करोड़ से ज्यादा परिवारों ने सात गारंटियों के लिए पंजीयन करवाया है, यह कांग्रेस पर लोगों का विश्वास और और गरीब उत्थान, जबकि भाजपा भरोसा है।

महाराष्ट्र के सीएम का रोड शो, कांग्रेस पर वार

मोदी ने राममंदिर बनवाया, तारीख भी बता दी

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि लोग मजाक उड़ाते थे कि अयोध्या में राम मंदिर नहीं बनेगा। कहते थे कि मंदिर वहीं बनाएंगे, लेकिन तारीख नहीं बताएंगे। पीएम मोदी ने मंदिर भी बनाया और उसकी तारीख भी बता दी। 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। अपने संबोधन में एकनाथ शिंदे ने लाल डायरी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि लाल डायरी में क्या लिखा है, यह भी आपको मालूम है। शिंदे ने हवामहल विधानसभा में रोड शो प्रत्याशी के प्रचार के दौरान यह बात कही। इसके अलावा शिंदे ने शाहपुरा और कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी प्रत्याशियों के समर्थन



अपनी पार्टी के प्रत्याशी के लिए नहीं गए

शिंदे बीजेपी के प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो और जनसभाएं की, लेकिन राजस्थान में शिवसेना के एकमात्र प्रत्याशी राजेंद्र गुढ़ा के समर्थन में प्रचार करने उदयपुरवाटी नहीं गए। ऐसे में एकनाथ शिंदे का यह दौरा सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

डबल इंजन की सरकार से विकास होगा

शिंदे ने हवामहल से बीजेपी प्रत्याशी बालमुकुंद आचार्य के समर्थन में लोगों से वोट मांगे। उन्होंने कहा कि मैं पीएम मोदी का संदेश लेकर आपके बीच आया हूं। हवामहल में बीजेपी प्रत्याशी के समर्थन में रोड शो के दौरान महाराष्ट्र के सीएम शिंदे ने कहा कि मैं पीएम मोदी का संदेश लेकर आपके बीच आया हूं। आपको राजस्थान का विकास करवाना है तो बीजेपी को ही वोट देना है। जहां डबल इंजन की सरकार होती है, वहां विकास तेजी से होता है। ऐसे में आप बीजेपी प्रत्याशी को जिताकर विधानसभा भेजें।

झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र

राजपूत समाज के आश्वासन से जगी आशुसिंह की उम्मीद



जयपुर। चुनाव प्रचार का शोर हैं। वहीं राजपुत समाज ने सरपुरा थमने के साथ ही जयपुर की झोटवाड़ा सीट की सियासी तस्वीर भी साफ होने लगी है। राजस्थान की सबसे बड़ी सीट झोटवाड़ा में इस बार बीजेपी और कांग्रेस उम्मीदवार के अलावा निर्दलीय चुनाव लड़ रहे आशु सिंह सुरपुरा को प्रबल दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। सुरपुरा चुनावी महौल के बीच क्षेत्र में लगातर सिक्रय दिखाई दे रहे

को चुनाव में समर्थन के लिए आश्वस्त किया है। मंगलम सिटी में राजपूत समाज के दीवाली स्नेह मिलन समारोह में समाज के प्रबुद्ध लोगों ने शिरकत की। प्रबुद्धजनों ने सुरपुरा को वोट देने का आश्वासन दिया। यदि चुनाव में समाज सुरपुरा के साथ खड़ा रहता है तो भाजपा-कांग्रेस के लिए बड़ी मुसिबत खड़ी हो सकती है।

BJP से पैसे लेकर कांग्रेस की जमानत जब्त कराई

बेधडक । जयपुर

कांग्रेस नेता तेजस पटेल ने गुरूवार को प्रेस वार्ता कर केकड़ी से कांग्रेस प्रत्याशी और तत्कालीन गुजरात प्रभारी रघु शर्मा पर गंभीर आरोप

गुजरात विधानसभा चुनाव 2022 में मानसा से कांग्रेस बार गुजरात में कांग्रेसी प्रत्याशियों के टिकट के दावेदार रहे पटेल की जमानत जब्त हो गई।

ने कहा कि कांग्रेस के मजबूत प्रत्याशियों के टिकट काट दिए गए, जिससे कांग्रेस की करारी हार हुई। पटेल ने आरोप लगाते हुए कहा कि रघु शर्मा की वजह से गुजरात कांग्रेस में हालात इतने ज्यादा बिगड़ गए की 2022 के चुनाव में पहली

आज घर-घर जाकर मतदाताओं से करेंगे अपील

चुनाव प्रचार थमा, मतदान कल

बेधड़क । जयपुर

राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए जनसभाओं एवं रैलियों का दौर गुरुवार को थम गया। ऐसे में अब उम्मीदवार केवल घर-घर जाकर ही मतदाताओं से अपील कर सकेंगे। चुनाव प्रचार थमने के बाद

अब चुनाव को लेकर कोई जनसभा या जुलूस नहीं निकाल सकेगा। चनाव प्रचार थमने के बाद अब चुनाव को लेकर कोई जनसभा या जुलूस नहीं निकाल सकेगा। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ कांग्रेस एवं मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी में माना



जा रहा है। कांग्रेस ने अपने चुनाव प्रचार अभियान को मुख्य रूप से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार के कामों, उसकी योजनाओं और कार्यक्रमों पर केंद्रित किया। जहां कांग्रेस ने घोषणा पत्र में सात महत्वाकांक्षी योजनाओं की

घोषणा की है वहीं भाजपा राज्य में अपराध, तृष्टीकरण, भ्रष्टाचार और पेपर लीक जैसे मुद्दों को लेकर कांग्रेस पर हमलावर रही है। निर्वाचन आयोग के एक बयान के अनुसार राज्य के 199 विधानसभा क्षेत्रों में 25 नवम्बर को मतदान होगा जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

में विजय संकल्प रैली को

संबोधित किया। इसके बाद

महाराष्ट्र लौट गए।

विधानसभा क्षेत्रों में कल 51,507 मतदान केन्द्र और 5,26,90,146 मतदाता हैं। राज्य में 18-30 आय वर्ग के 1,70,99,334 युवा मतदाता हैं जिनमें 18-19 आयु वर्ग के 22,61,008 नव मतदाता

चुनाव को लेकर ऐजेंसियां अलर्ट मोड़ पर

2.74 लाख कर्मचारी करवाएंगे वोटिंग

प्रदेश में मतदान को लेकरनिर्वाचन विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि 199 विधानसभा क्षेत्रों में 2 लाख 74 हजार 846 कर्मचारी मतदान सम्पन्न कराएंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में

निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान को लेकर 6247 सेक्टर अधिकारियों और 1,02,290 राजस्थान पुलिस, होम गार्ड, आरएसी और सीएपीएफ की 700 कंपनियों के सुरक्षाकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने बताया कि इस



बार 7960 महिला मतदानकर्मी, महिला प्रबन्धित मतदान केंद्रों पर एवं 796 दिव्यांग मतदान कार्मिक दिव्यांग प्रबंधित मतदान केंद्रों पर कमान संभालेंगे।

उन्होंने बताया कि 199 विधानसभा क्षेत्रों में कल 51,507 मतदान केंद्रों परमतदान होगा। जिसमें 10,501 मतदान केन्द्र शहरी क्षेत्र में और 41,006

ग्रामीण क्षेत्र में और 13. 995 वल्नरेबल और क्रिटिकल मतदान केंद्र चिन्हितिकये गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 26,393 मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग होगी। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में जिला स्तरीय कंटोल रूम से मतदान केंद्रों पर निगरानीहोगी। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में मतदान में 65,277 बैलट यूनिट, 62,372 कंट्रोल यूनिट और 67,580 वीवीपैट मशीनें रिजर्व मशीन के तौर पर उपयोग में ली जाएगी। उन्होंने बताया कि चुनाव स्वतंत्र,

आब्जर्वर और 6247 सेक्टर अधिकारी नियुक्त किया। उन्होंने बताया की प्रदेश में मतदान के लिए 41,224 वाहन अधिग्रहित किये गए। जिसमें मतदान दल, सुरक्षा कर्मी, ईवीएम मशीन और सेक्टर ऑफिसर उपयोग में लेंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस बल तथा मतदान दलों के लिए 17,617 वाहन, सेक्टर ऑफिसर के लिए 20,844 छोटे यात्री वाहन, और ईवीएम मशीन के लाने ले जाने के लिए 2470 ट्रक/मिनी ट्रक अधिग्रहितिकये निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न

मतदान दलों की रवानगी आज, व्यवस्था चाक-चौबंद

आखिरी दिन खूब मचा हल्ला, अब मतदाता करेंगे 'फैसला'

बेधड़क । जयपुर

प्रदेश के चुनावी रण में गुरुवार को प्रचार का आखरी दिन था। ऐसे में प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ अन्य पार्टियों ने भी जनता के बीच प्रचार-प्रसार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी।

हालात ये रहे कि जगह-जगह चुनावी रैलियों के बीच लोग हर कहीं जाम में फंसे रहे। चुनाव प्रचार का शोर थमने के बाद अब प्रत्याशियों के भाग्य के फैसले की बारी है।

25 नवंबर को मतदाता अपने मताधिकार प्रत्याशियों का चुनाव करेंगे। इसके लिए निर्वाचन विभाग



ने भी कमर कस ली है। मतदान के लिए शुक्रवार को मतदान टोलियों की रवानगी होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि जयपुर के 19 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव के लिए सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन कॉलेज, जमवारामगढ़ रोड स्थित जामिया तुल हिदाया विश्वविद्यालय

और जेएलएन मार्ग स्थित राजस्थान कॉलेज से शुक्रवार को दो पारियों में कुल 4 हजार 691 मतदान टीमें

पहली पारी की टीमें सुबह 7 से 10 बजे तक एवं द्वितीय पारी की टीमें सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक अपने संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रस्थान करेंगी।

यहां होगा ईवीएम संग्रहण

जिला निर्वाचन अधिकारी राजपुरोहित ने बताया कि 25 नवंबर को मतदान के बाद जेएलएन मार्ग स्थित राजस्थान कॉलेज एवं कॉमर्स कॉलेज में ईवीएम एवं वीवीपैट का संग्रहण किया जाएगा। कॉमर्स कॉलेज में चौमूं, फुलेरा, चाकसू, किशनपोल, विद्याधर नगर, आमेर, विराटनगर, जमवारागढ़, बस्सी एवं शाहपुरा सहित कुल 10 विधानसभा क्षेत्र की ईवीएम सामग्री का संग्रहण किया जाएगा। वहीं, राजस्थान कॉलेज में झोटवाड़ा, बगरू, दूदू, सांगानेर, आदर्श नगर, सिविल लाइन्स, मालवीय नगर, हवामहल एवं कोटपूतली सहित कुल 9 विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम का संग्रहण किया जाएगा। इस व्यवस्था के सफल संचालन के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए

लापरवाही पर होगी कार्रवाई

राजपुरोहित ने विधानसभा चुनाव में लगे कार्मिकों को तय समय और स्थान पर उपस्थित होने व पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि अनुपस्थित रहने और चुनावी कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बरते जाने पर संबंधित कार्मिक के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ साथ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-134 के अंतर्गत फौजदारी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि चुनाव सामग्री वितरण एवं मतदान दलों के प्रवेश के लिए अलग-अलग मार्ग तय किया गया है। वहीं, मतदान दलों की वापसी पर चुनाव वाहन मतदान दल को नियत प्रवेश द्वार पर ही उतारेंगे।

BJP प्रत्याशी डॉ. गोपाल शर्मा ने किया रोड शो

बेधड़क । जयपुर

सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार डॉ.गोपाल शर्मा आज प्रचार के अंतिम दिन अपने विधानसभा क्षेत्र में रोड शो के जरिए लोगों तक पहुंचे।

प्रचार का शोर थमने से पहले गोपाल शर्मा ने पूरा प्रयास किया कि वह जन-जन तक पहुंचे और उनसे मिलकर वोट मांगे। रोड शो की शुरुआत गुर्जर की थड़ी से हुई जिसमें असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा, राज्यसभा से सांसद घनश्याम तिवाड़ी, पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी, पूर्व महापौर निर्मला नाहटा और भारतीय जनता पार्टी



के महामंत्री रंजीत सिंह सोडाला भी मौजूद रहे।

गोपाल शर्मा ने विजय रथ पर सवार होकर लोगों का अभिवादन करते हुए लोगों से उनके वोट मांगे और यह विश्वास दिलाया कि वह चुनाव जीतने के बाद क्षेत्र की समस्याओं के समाधान में कोई कमी नहीं रखेंगे।





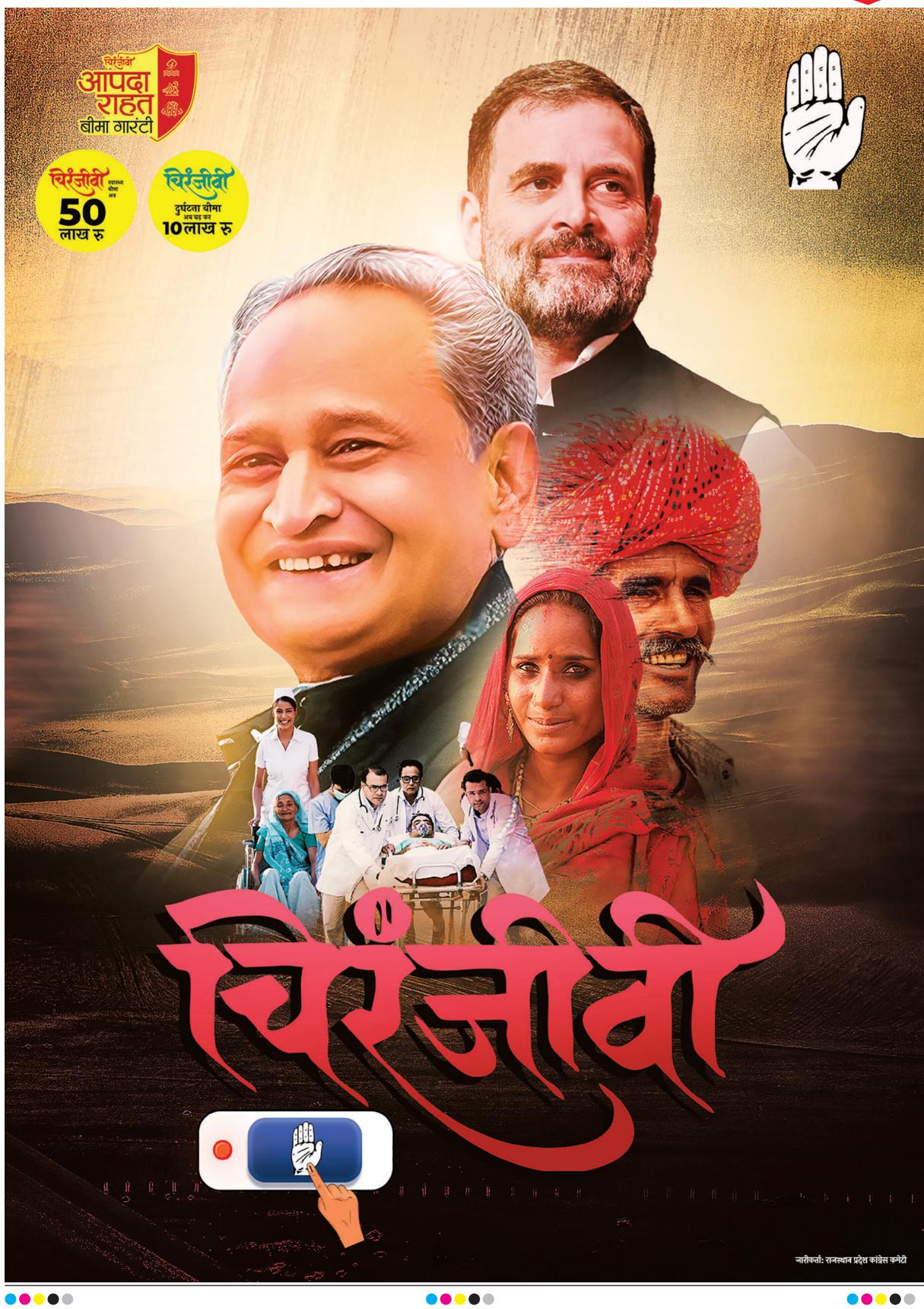


वर्ष: 2 | अंक: 344

जयपुर, शुक्रवार, २४ नवंबर, २०२३ | कार्तिक, शुक्ल पक्ष- द्वादशी, विसं २०८०

पृष्ठ: १० | मूल्य: २.००





अनुठा प्रयास

निर्वाचन विभाग ने वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए उठाया कदम

मत्दाताओं को निमंत्रण पत्र से न्योता, लोकतंत्र का पर्व कल

अन्य दस्तावेज भी मान्य

भारत निर्वाचन आयोग की ओर से सभी मतदाताओं को

निर्वाचक फोटो पहचान पत्र जारी किए गए हैं। यदि कोई

है तो भारत निर्वाचन आयोग ने उनके लिए 12 वैकल्पिक

दस्तावेजों को भी मान्य किया है। मतदाता पहचान पत्र ना

लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन

कंपनियों द्वारा जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंकों/

होने की स्थिति में आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग

दस्तावेज, केंद्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड

डाकघरों द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, एनपीआर के अंतर्गत

आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के

अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों/विधायकों/

विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान

पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता

आईडी (यूडीआईडी) कार्ड का उपयोग कर सकते हैं। मतदाता

इनमें से कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत कर मतदान कर सकेंगे।

मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसएबिलिटी

निर्वाचक वोटिंग के समय फोटो पहचान पत्र नहीं दिखा पाता

बेधड़क । जयपुर/जोधपुर लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्योहार है चुनाव। राजस्थान के लिए यह त्योहार अब बस एक दिन दूर है। प्रदेश के नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर अगले पांच वर्ष के लिए अपनी सरकार चुनेंगे। एक बेहतरीन जवाबदेह सरकार बने, इसके लिए जरूरी है कि अधिक से अधिक लोग मतदान करें। निर्वाचन विभाग की ओर से हर चुनाव में अधिकाधिक लोगों को मतदान बूथ तक लाने के लिए कई प्रकार के प्रयास किए जाते हैं। इन्हीं प्रयासों के तहत जोधपुर में एक अनूठा प्रयास देखा गया।

यहां मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से शादी की तरह ही निमंत्रण कार्ड छपवाए गए हैं। यह निमंत्रण पत्र देखने में बिल्कुल शादी के कार्ड की तरह है। यह कार्ड सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। प्रदेश की जनता निमंत्रण पत्र में बताए गए खास दिवस को सेलिब्रेट करने के लिए काफी उत्साहित है। दरअसल, राजस्थान विधानसभा चुनाव में लोग ज्यादा से ज्यादा मतदान करें, इसके लिए जोधपुर जिला प्रशासन ने निमंत्रण पत्र छपवाए हैं। सरदारपुरा, जोधपुर शहर, सूरसागर, लूणी, ओसियां, लोहावट और फलौदी समेत कई विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं को निमंत्रण पत्र देकर मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है।



युवा स्वयंसेवक करेंगे मतदाताओं की मदद

गुप्ता ने बताया कि दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं के सहयोग के लिए एनएसएस, एनसीसी, स्काउट-गाइड स्वयंसेवकों अथवा 15-17 आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं को बतौर वॉलन्टियर नियुक्त किया गया है। मतदान दिवस पर प्रत्येक मतदान केन्द्र पर 2 वॉलन्टियर्स मौजूद रहेंगे। ये वॉलन्टियर्स दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों की मतदान बूथ तक सुगमता पूर्वक पहुंचने में मदद करेंगे। इन्हें विशेष शिक्षकों के माध्यम से व्हील चेयर संचालन एवं सांकेतिक भाषा में प्रशिक्षित भी किया गया है। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्रों पर महिला मतदाताओं की सहायता हेतु आंगनवाड़ी, एएनएम, आशा सहयोगिनियों, राजीविका स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को भी लगाया गया है। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्र के भवन पर मतदान केन्द्रों का नाम स्पष्ट रूप से अंकित किया गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान केन्द्रों में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं। दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं की परेशानी को ध्यान में रखते हए उन्हें मतदान के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही प्रत्येक मतदान केन्द्र पर प्रतीक्षारत मतदाताओं के बैठने की व्यवस्था, पीने के पानी, प्रकाश और छाया की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। हर बूथ पर मतदाताओं की मदद के लिए मतदाता सहायता केन्द्र बनाया जाएगा, जहां प्रशिक्षित वॉलन्टियर्स के साथ बीएलओ उपस्थित रहेंगे। बीएलओ के पास मतदाता सूची भी उपलब्ध रहेगी। प्रत्येक मतदान केंद्र में दिव्यांग एवं वृद्धजन मतदाताओं की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में व्हील चेयर की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं को ध्यान में रखते हुए भूतल पर ही बूथ बनाए गए हैं। सभी मतदान केन्द्रों पर रैम्प की सुविधा उपलब्ध है।

बूथ पर रखेंगे वोटर्स की सुविधा का ध्यान

भेज रहे हैं स्नेह निमंत्रण... वोटर आईडी के अलावा 12



जोधपुर जिला निर्वाचन अधिकारियों ने निमंत्रण पत्र में जनता से अपील की है 'भेज रहे हैं स्नेह निमंत्रण, मतदाता तुम्हें बुलाने को... 25 नवंबर भूल न जाना, वोट डालने आने को।' कार्ड में मतदान कार्यक्रम की जानकारी दी गई है। लिखा है कि मतदान का समय 25 नवंबर शनिवार सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक रहेगा और मतदान स्थल स्वयं का मतदान केंद्र होगा। अपने विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवारों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए कार्ड में केवाईसी एप के बारे में भी जानकारी दी गई है।

बिहाइंड द कर्टेन

चुनावी पोळ

अब लाग्यो विराम । वोट बूंटी संजीवणी,

अब बड़ा सवाल... रिवाज बदलेगा या कायम रहेगा

नाव प्रचार का शोर थम गया। अब घर-घर जन सम्पर्क पर जोर रहेगा। प्रचार अभियान में बहत कुछ कहा गया। कहीं चेहरा, कहीं गारंटियां। सबने अपनी बात कह दी। मतदाताओं को हर तरह से लुभाने का प्रयास किया गया। आखिरी चरण में मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ध्रुवीकरण का प्रयास खुलकर किया गया। व्यक्तिगत स्तर पर छींटाकशी की गई। विधानसभा में ये स्तर है तो लोकसभा चुनाव में क्या होगा? अब जनसभाएं और रैलियां नहीं होंगी। सारा जोर सोशल मीडिया पर आ गया है। कई इन्फ्लुएंसर राज्यभर में घूम रहे हैं। अलग-अलग जिलों में यू ट्यूबर हैं। जन संगठनों के कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। अपने हिसाब से माहौल बता रहे हैं। सबके अपने आकलन हैं। क्या होगा तीन दिसम्बर को पता चल जाएगा। रिवाज बदलेगा या कायम रहेगा। एक पक्ष है जो रिवाज तोड़ने के लिए पूरा दम लगा रहा है। दूसरा पक्ष रिवाज के आसरे है। किसमें कितना दम हैं सामने आ जाएगा। पर बात वैसी नहीं रही जैसी समझी जा रही है। ऐसी कांटे की लड़ाई की उम्मीद नहीं थी। कौन सौ के ऊपर, कौन सौ के नीचे। अन्य पार्टियां कितनी सीटें ले जाएंगी। कितने निर्दलीय आएंगे। ऐसी स्थिति में पत्रकार भी किसी ठोस नतीजे पर पहुंच नहीं पाते। कुछ अनुमान ताजा सर्वे में बताए गए हैं। इससे भी बड़ी बात ये कि पार्टियों में ही बने किस खेमे की कितनी सीटें आएंगी। सभी बातें भविष्य के गर्भ में हैं। नतीजों का असर उन राज्यों में ही नहीं होगा जहां चुनाव हो रहे हैं, देश की राजनीति भी प्रभावित होगी। अपने राज्य की बात करें तो कुछ बातें साफ हैं। कोई भी पार्टी जीते। सबकी उत्सुकता यह जानने की होगी कि कमान किसके हाथ में आएगी। कुछ की दावेदारी स्वाभाविक है। कहीं चेहरा नदारद है। अब मजबूरी में उसी चेहरे के आगे नतमस्तक नजर आ रहे हैं। ये बातें अब किसके गले उतरेंगी। किसे मौका मिलेगा या नहीं यह देखने वाली बात होगी। वे कितने दमदार हैं ये आलाकमान जानता है। नेता भी आलाकमान का दम जानते हैं। कई नेताओं को विकल्प के तौर पर मैदान में उतारा गया। समझ रहे थे कि ये सीटें तो पक्की हैं। वे खुद अपने ही क्षेत्रों में फंस गए। नेताओं को अपने भविष्य का अनुमान लग गया होगा। जनता को फैसला करना है।

यायावर

पॉलीटिक्स

मनोरंजन का नहीं, हमारे भविष्य का मुद्दा है चुनाव

स्थान हल्दियों का रास्ता समय शाम 7:15 बजे

जयपुर

इकों पर एक महान स चल रहा जुलान का तो हर तरफ शांति फैल गई। शाम से पहले शहर ड़कों पर एक महीने से चल रहा चुनावी शोर थमा की सड़कें नेताओं के शक्ति प्रदर्शन के रेलों से आबाद हुई, शाम के बाद इन सड़कों पर पैरों से मसले हुए फूलों के ढेर अपनी दुर्गति पर आंसू बहाते नजर आए। जिनकी जगह कुछ देर पहले सिर पर थी, कुछ देर बाद ही पैरों के नीचे हो गई। जनता को भी यही शिकायत रहती है। जो नेताजी चुनाव से पहले जनता को सिर माथे रखते हैं, चुनाव जीतते ही उनका रवैया बदल जाता है। खैर, चुनाव में अब एक ही दिन है तो लोगों का उत्साह चरम पर है। टिकटों की घोषणा के बाद से बनते-बिगड़ते रहे समीकरणों के पास एक दिन और बचा है। इसके बाद इन समीकरणों का गणित मशीनों में बंद हो जाएगा और 3 तारीख को इन मशीनों से नई सरकार निकलेगी। तो, लोगों की आपसी चर्चाओं में राजनीतिक रस ढूंढने हम आज हैं जौहरी बाजार के हल्दियों के रास्ते में मौजूद एक टी-स्टॉल पर। यहां पहले से ही कुछ लोगों की महफिल जमी है। " भाई, अब तो मोदी जी खुद भी सबकी तरफ हाथ हिला गए, अब क्या सीन है। अब तो सारी पिक्चर साफ हो गई है।" एक ने चाय की चुस्की लेते हुए बात शुरू की तो सामने से बात को आगे बढ़ाया गया-"कोई पिक्चर साफ नहीं है गुरु, ये जनता है, हाथ किसी की तरफ हिलाती है और तिलक किसी और को लगा देती है। असली पिक्चर तो तीन तारीख को ही साफ होगी, उससे पहले तो बस अंदाजे लगाते रहो।" तीसरी स्टूल पर बैठे साथी ने भी अपने विचार रखे-"पर माहौल तो बन गया भाई, चुनाव वैसे हर साल ही होने चाहिएं, मनोरंजन तो पूरा हो जाता है। अभी तो सोशल मीडिया पर भी मजा आ रहा है। कोई कुछ बोल रहा है, कोई कुछ। बस काम की बात कोई नहीं कर रहा, सब वोट खींचने में लगे हैं।" सबने अपनी कह दी तो चौथा भाई क्यों पीछे रहता-"पर भाई ये वोट तो खींचने में लगे हैं लेकिन मुद्दे की बात भी तो होनी चाहिए। नेता ना करें तो हमें करनी चाहिएं। कोई भी नेता धर्म, जाति के नाम पर वोट मांगे तो उसके सामने सवाल उठाना चाहिए कि विकास के लिए उसकी क्या प्लानिंग है। चुनाव मनोरंजन का मुद्दा नहीं है, भविष्य का मुद्दा है। वोट किसी पार्टी के झंडे के रंग पर नहीं, वोट मांगने वाले की काबिलियत पर देंगे तभी ये तस्वीर बदलेगी।" ज्ञान की बात सुन तीनों ने दबी हंसी के साथ इसका समर्थन किया।

िपॉली क्लिक्स



चुनावी मिलन

चुनाव से पहले नेताओं के इधर-उधर जाने का सिलसिला जारी है। राजस्थान के किसान नेता रामपाल जाट ने गुरुवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जाट को गले से लगा लिया। जाट लंबे समय भाजपा में रहे हैं। किसानों से जुड़े मुद्दों पर उन्होंने भाजपा से इस्तीफा देकर आम आदमी पार्टी की सदस्यता ले ली थी। अब वे कांग्रेस में आ गए हैं।

राजनीतिक दलों की गणित से उलट

गई थी तीन प्रत्याशियों की किस्मत

पॉली



इतिहास के झरोखे से

गुलाब बन्ना, वरिष्ठ पत्रकार gulabbatra@gmail.com

नावी इतिहास के झरोखे की इस कथा को हम बीजगणित से शुरू करते हैं। आप चौंक गए ना- बात ही कुछ ऐसी है- चुनाव और बीजगणित। जब हम बीजगणित में कोई सवाल हल करते हैं तो 'मान लीजिए' का फार्मूला अपनाते हैं। तो इस चुनावी चर्चा को बीजगणित के फार्मूले से समझते हैं।

तो मान लीजिए कि आपने तथा आपके परिचितों ने कम से कम दो निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ने के लिए नामांकन पत्र भर दिए। अब इनकी जांच हो गई। नाम वापस लेने के बाद उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न भी आवंटित हो गए। लेकिन यह क्या? महज 48 घंटों में प्रत्याशियों के चुनाव चिह्न भी बदल गए और उन्हें दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने की छूट भी मिल गई। यह चुनावी खेल आज से 43 साल पहले भरतपुर जिले में वर्ष 1980 में

जहां से पार्टी उम्मीदवार थे वहां बन गए निर्दलीय प्रत्याशी

तो शुरुआत कामां से। जनसंघ के पुराने नेता रवीन्द्र जैन भाजपा प्रत्याशी बने। मनोहर लाल गुप्ता ने कामां सहित डीग से बतौर कांग्रेस प्रत्याशी और मुराद खां एवं मजलिस खां में कामां एवं नगर क्षेत्र से नाममदगी के पर्चे भर दिए हैं। इनके अलावा अन्य उम्मीदवार भी थे। राजनीतिक दलों का चुनावी खेल यहां से शुरु होता है। चुनाव चिह्न आवंटित 5 मई को हुए और उनमें परिवर्तन कराया जाता है 7 मई को। प्रत्याशियों की गोटियां बदल दी गई। कांग्रेस (आई) ने कामां में पहले मुराद खां को और बाद में मनोहर लाल गुप्ता को प्रत्याशी बनाया। मुराद खां अब नगर से उम्मीदवार बनाए गए। इसी प्रकार कांग्रेस (आई)

खेला गया। इस चुनावी कथा में हम

भरतपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र

कामां, डीग और नगर के चुनावी

खेल की चर्चा करेंगे। अब इनका

भौगोलिक चेहरा बदल गया है। नए जिले बनाने की मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ताबड़तोड़ घोषणा से ये तीनों क्षेत्र नवगठित डीग जिले के

और मुराद खां एवं मजलिस खां कामां निर्वाचन क्षेत्र में निर्दलीय हो गए। नगर से कांग्रेस प्रत्याशी कर्णसिंह मैदान से

कामां में कुल 13 प्रत्याशी मैदान में थे। भाजपा के तत्कालीन प्रत्याशी रवीन्द्र जैन बताते हैं कि चूंकि मनोहर लाल 1972 में कामां से जनसंघ के टिकट पर चुने गए थे। अब दोनों में मुकाबला होने पर एक समुदाय के होने के कारण हार जाएंगे। इस आशंका पर उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से चुनाव मैदान से हटने की अनुमति मांगी। उन्हें चुनाव लड़ने को कहा गया। नतीजा यह निकला कि जनता पार्टी (चरण सिंह) के हाजी चांव खां चुनाव जीत गए। मनोहर लाल दूसरे तथा रवीन्द्र जैन तीसरे स्थान पर रहे। नगर से दूसरा चुनाव लड़ने वाले मजलिस खां को केवल 90 वोट तथा मुराद खां के हिस्से में 357 वोट आए। वहीं मनोहर लाल की 'चिड़िया' डीग में 92 वोट चुन पाई। वर्ष 1978 से 81 तक कामां की जुरहरा पंचायत के सरपंच एवं बाद में प्रधान बने रवीन्द्र जैन की खोरा सरपंच मजलिस खां से दोस्ती थी तब मजलिस ने मुराद के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ने की मंशा जताई थी। लेकिन नगर में दोनों के चुनाव लड़ने पर मुराद खां चुने गए व मजलिस तीसरे नम्बर पर रहे। इधर डीग से राजा मानसिंह निर्वाचित हुए।

अकेले मुराद खां को मिली जीत

ने मजलिस खां को कामां के स्थान पर नगर क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित किया। राजनैतिक दलों के इस चुनावी खेल के चलते मनोहर लाल गुप्ता डीग से

> हिस्से हैं। निर्वाचन विभाग के सूत्रों के अनुसार पहले चुनाव चिह्न बदलने की अनुमति की विशेष व्यवस्था थी। बाद में नामांकन के अंतिम दिन पार्टी के चुनाव चिह्न आवंटित करने की अनुमति दी जाने लगी।





वर्ष: २ | अंक: ३४४

जयपुर, शुक्रवार, २४ नवंबर, २०२३ | कार्तिक, शुक्ल पक्ष- द्वादशी, विसं २०८०

पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00





रखने के लिए कांग्रेस फिर से

पीएम और सीएम ने गुर्जर समुदाय को लेकर एक-दूसरे पर जमकर साधा निशाना



जरूरी खबर

SC की पहली महिला जज फातिमा बीवी का निधन



कोल्लम। सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला न्यायाधीश एवं तमिलनाडु की पूर्व राज्यपाल जस्टिस फातिमा बीवी का गुरुवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 96 वर्ष की थीं। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि जस्टिस बीवी को बढ़ती उम्र संबंधी बीमारियों के कारण कुछ दिन पहले निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और गुरुवार अपराह्न लगभग सवा 12 बजे उनका निधन हुआ। सूत्र ने कहा,'उनका शव पतनमतिट्टा में स्थित उनके आवास वापस लाया जा रहा है। पतनमतिट्टा जुमा मस्जिद में शुक्रवार (24 नवंबर) को उनका अंतिम संस्कार किया

LOC के पास बक्से से हथियार एवं विस्फोटक बरामद



जम्मू। जम्मू के अखनूर सेक्टर में गुरुवार को एलओसी के पास एक ड्रोन द्वारा गिराए गए नौ ग्रेनेड और एक आईईडी समेत हथियार एवं विस्फोटक बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि ये हथियार एवं विस्फोटक एक बक्से में बंद थे, जिन्हें एलओसी के निकट पालनवाला में सेना और पुलिस के संयुक्त तलाश अभियान के दौरान बरामद किया गया। अधिकारियों ने कहा कि बक्से देख कर संदेह हआ और बम निरोधक दस्ते को बलाया गया। बक्से में से एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस, एक पिस्तौल, दो मैगजीन, 38 कारतूस और नौ ग्रेनेड बरामद किए गए।

पायलट का नाम लेकर बोले मोदी... गुर्जरों का अपमान किया कांग्रेस ने

भाजपा राजस्थान को निवेश और उद्योग में अग्रणी बनाएगी

बेधड़क । जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को लेकर गुरुवार को एक बार फिर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि गुर्जर समाज का एक बेटा राजनीति में जगह बनाने के लिए संघर्ष करता है, लेकिन सत्ता मिलने के बाद उसे दूध में से मक्खी की तरह निकाल कर फेंक दिया जाता है।

मोदी ने देवगढ़ में एक चुनाव जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा,'राजेश पायलट जी के साथ भी इन्होंने यही किया और उनके बेटे के साथ भी यही कर रहे हैं।' मोदी ने कहा, गुर्जरों का जितना अपमान कांग्रेस ने किया है। यह राजस्थान की पहली पीढ़ी ने भी देखा है और आज की पीढ़ी भी देख रही है।' इसके साथ ही अपने बयान पर कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रियाओं पर मोदी ने कहा, 'कांग्रेस मेरे असली सवालों के जवाब नहीं दे रही, पूरी ताकत से झुठ बोल रही है

पोस्टर में खरगे नहीं दिखने पर तंज

मोदी ने जयपुर में अपने रोड शो

के दौरान कांग्रेस के पोस्टरों पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की फोटो नहीं दिखाई देने का जिक्र करते हुए कहा 'कांग्रेस के पोस्टर पर गहलोत जी दिख रहे हैं, 'शाही परिवार' के लोग दिख रहे हैं, खरगे जी नहीं दिख रहे। क्या दलित मां के बेटे के साथ कांग्रेस पार्टी यह व्यवहार करती है?' कांग्रेस पर निशाना साधते हए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा 'राजस्थान ने आज तक इससे बड़ी महिला विरोधी सरकार नहीं देखी। इसलिए राजस्थान के जन जन ने कांग्रेस सरकार को उखाड फेंकने का संकल्प ले लिया है।' उन्होंने आरोप लगाया 'जल हो, नभ हो, थल हो... कांग्रेस का पंजा एक ही काम करता है-लूटो।'

जहां कांग्रेस से उम्मीद खत्म, वहीं से मोदी की गारंटी शुरू

मोदी ने कहा कि जहां कांग्रेस से उम्मीद खत्म होती है वहां से मोदी की गांरटी शुरू होती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दंगों के मामले में राजस्थान को नंबर एक बना दिया, लेकिन भाजपा राजस्थान को पर्यटन में अग्रणी बनाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राजस्थान को अपराध और भ्रष्टाचार में नंबर वन बनाया, लेकिन भाजपा राजस्थान को निवेश और उद्योग में अग्रणी बनाएगी।'

यहां जो अच्छा काम होगा, उसे बढाएंगे

मोदी ने कहा, 'हमारे लिए तो जनता जनार्दन सर्वोपरि है। कोई भी सरकार रही हो, अगर उसने सच्चे अर्थ में जनकल्याण को काम किया है तो मोदी उसे आगे बढ़ाने के पक्ष में रहता है, बैरवृत्ति से काम नहीं करता है। इसलिए राजस्थान में भी जो भी अच्छा काम होगा, उसे आगे बढाया जाएगा। यह मेरा आपको भरोसा है।'

कि कांग्रेस के 'शाही परिवार' ने नहीं किया, जो सवाल मैं उठाता सिचन पायलट को दी गई गालियों राजेश पायलट का कभी अपमान 🛮 हुं उसके जवाब दो ना।' कांग्रेस 🔄 को कैसे झुठला सकती है।

BJP राज में गुर्जरों पर चली गोलियां, 72 मारे गए: CM

बेधड़क । जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिवंगत कांग्रेस नेता राजेश पायलट पर टिप्पणी करने के लिए भी प्रधानमंत्री की आलोचना की और कहा कि पार्टी राज्य में गुर्जर समुदाय के लोगों को भड़काना चाहती है।

उन्होंने गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा शासन के दौरान आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलनकारियों पर कुल 22 बार पुलिस ने गोली चलाई। इन कार्रवाइयों में 72 गुर्जर मारे गए थे, जबकि हमारे शासनकाल में आंदोलन के बावजूद लाठीचार्ज नहीं किया गया और पांच प्रतिशत आरक्षण दिया गया।' बता दें, बुधवार और गुरुवार को मोदी ने कहा, 'राजेश पायलट जी ने कभी इस कांग्रेस परिवार को चुनौती दी थी, लेकिन यह परिवार ऐसा है कि राजेश जी को तो सजा दी, उनके बेटे (सचिन पायलट) को भी सजा देने में लगे हुए हैं।' बता दें, सचिन ने भी मोदी के बयान को तथ्यात्मक रूप से गलत और जनता का ध्यान भटकाने वाला बताया है।

मुख्यमंत्री ने कहा... मोदी भड़काना चाहते हैं गुर्जर समुदाय को

भाजपा के विज्ञापन पर बरसे: गहलोत ने भाजपा द्वारा अखबारों में राजस्थान की आपराधिक घटनाओं से जुड़ी समाचारों की कतरनों वाले पूरे पन्ने के विज्ञापन प्रकाशित कराए जाने की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा लोगों को गुमराह कर और षड्यंत्र रचकर चुनाव जीतना चाहती है।



'लाल डायरी' और 'महादेव एप' भाजपा की साजिश 'लाल डायरी' और महादेव सट्टेबाजी एप मामले को भाजपा का राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव जीतने के लिए रचा गया 'षड्यंत्र'

करार दिया। उन्होंने इसकी जांच सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज से कराने की मांग की। मुझे दुख होता है कि प्रधानमंत्री के स्तर पर षड्यंत्र करके आप प्रधानमंत्री के मुंह से लाल डायरी और महादेव एप बुलवा रहे हो। गहलोत ने पूछा, 'कहां गई लाल डायरी? राजस्थान में ईडी, आयकर विभाग के 50 छापे पड़े। उन छापों का क्या हुआ?'

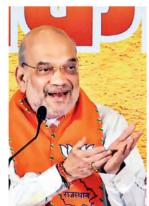
कन्हैया हत्याकांड, महिला पहलवानों का मुद्दा उठाया गहलोत ने कहा कि बीएचयू में युवती के साथ छेड़छाड़ हुई, उसकी कोई चर्चा नहीं है। दिल्ली में महिला पहलवानों ने धरना दिया, मोदी ने कोई परवाह नहीं की। उदयपुर में कन्हैया के हत्यारे, 4 साल से भाजपा कार्यकर्ता थे। उन्हें अन्य मामले में पकड़ा, तब भाजपा नेताओं ने उन्हें थाने से छुड़वाया।

भाजपा और कांग्रेस के दिग्गजों के चुनाव नतीजों पर परस्पर विरोधी दावे

कांग्रेस के परिवारवाद व तुष्टीकरण से राजस्थान की जनता त्रस्त: शाह

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को राजस्थान में सत्तारूढ कांग्रेस पर परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे जनता बहुत त्रस्त है। इसके साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य में आगामी विधानसभा चनाव में भाजपा की सरकार बनेगी।

शाह ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'बीते पांच साल में कांग्रेस ने परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति का परिचय दिया है। इससे राजस्थान



भाजपा की सरकार बनने का दावा: गृह मंत्री ने कहा, 'हर कोने में कांग्रेस हार रही है, भाजपा जीत रही है। राजस्थान के हर कोने में जनता

ने परिवर्तन का मड बनाया हुआ है और हर क्षेत्र में विफल कांग्रेस सरकार को विदाई देने के लिए राजस्थान के लोगों ने अपना मन बना लिया है।' भाजपा का सीएम विधायक चनेंगे:

मुख्यमंत्री के चयन संबंधी एक सवाल पर उन्होंने कहा कि यहां के विधायक ही इस बारे में फैसला करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी को लेकर राहुल गांधी के 'पनौती' वाले बयान पर शाह ने कहा कि 'मोदी जी के लिए राजस्थान में अपशब्दों का प्रयोग किया गया है और जनता मतदान में इसका जवाब देगी।'

तष्टीकरण की राजनीति चरम सीमा पर है। की जनता बहुत त्रस्त है।' उन्होंने कहा, 'पांच साल में, राजस्थान में अगर सबसे राजस्थान सरकार ने वोट बैंक की राजनीति खराब स्थिति किसी की रही है तो महिलाओं के कारण दंगाइयों पर कोई ठोस कार्रवाई और दलितों की रही है। गहलोत सरकार में

राजस्थान में कांग्रेस के पक्ष में माहौल इस बार रिवाज बदलेगा: खरगे

बेधड़क । नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के आखिरी दिन गुरुवार को दावा किया कि अशोक गहलोत सरकार की कल्याकारी योजनाओं एवं पार्टी की सात 'गारंटी' के चलते प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल है तथा हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज इस बार बदलेगा। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'राजस्थान के चनाव प्रचार का आज आखिरी दिन है। वीरों और रणबांकुरों की पावन धरती राजस्थान ने हमारी जन-कल्याणकारी योजनाओं को

पुलिस की सात गुना से ज्यादा कार्रवाई

नकदी

6 करोड रुपए

50 करोड़ रुपए



स्वीकारा है। कांग्रेस पार्टी की सात गारंटियों पर अपना भरोसा जताने के लिए एक करोड़ से भी ज्यादा परिवारों को धन्यवाद। पूरे राज्य में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में माहौल है।'

मोदी-शाह बेतुकी और अनर्गल बातों में व्यस्तः कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, 'भाजपा हमारे सामाजिक

न्याय, आर्थिक सशक्तीकरण और बचत एवं राहत की योजनाओं से घबरा गई है। प्रधानमंत्री मोदी जी और गृह मंत्री अमित शाह खोखली, बेतुकी, अनर्गल और विभाजनकारी बातों में व्यस्त है, उनको कांग्रेस पार्टी की सात गारंटी रास नहीं आ रही हैं। '

जनता फिर देगी कांग्रेस का अवसर: कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'राजस्थान की जनता ने ये तय कर लिया है कि इस बार रिवाज बदलेगा, वे कांग्रेस पार्टी को पुनः अवसर देंगे।' बता दें, राजस्थान में गुरुवार शाम छह बजे शोरगुल वाला चुनाव प्रचार थम गया, तमाम रैलियां और रोड शो बंद हो गए हैं।

विधानसभा चुनाव: पुलिस का 'ऑपरेशन ब्लड मून'

दिन-रात पुलिस रहेगी चौकस... ताकि नहीं बंट सके नकदी और शराब

वर्ष

2018

2023

- 40 दिन में 425 करोड़ की नकदी. मादक पदार्थ व अन्य सामान बरामद
- 🔵 पुलिस की वर्ष 2018 से इस बार कई गुना ज्यादा सख्ती
- 🔵 आचार संहिता लगने के बाद पुलिस मुख्यालय चला चुका कई ऑपरेशन

- ओम प्रकाश शर्मा । बेधड़क जयपुर। प्रदेश में 25 नवंबर को होने वाले चुनावों के दौरान धनबल और शराब पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस मुख्यालय ने कमर कस ली है। गुरुवार रात से पुलिस अगले 24 घंटे तक 'ऑपरेशन ब्लड मून' चलाएगी। इस ऑपरेशन के तहत सभी विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों व उनके कार्यकर्ताओं पर निगरानी रहेगी और नकदी व
- शराब की कार्रवाई की जाएगी। आचार संहिता लगने के के लिए बांटे जानी वाली सामग्री बाद पुलिस मुख्यालय द्वारा अब बरामद की जा चुकी है। पुलिस तक प्रदेश में ऑपरेशन मुनाको, के प्रदेश में 650 नाके लगाए गए।

जैकपॉट, टी टू टीटी, नकासी, मदिराधर व वेक्टर शॉट-72 चलाकर 425 करोड़ रुपए की नकदी, शराब, मादक पदार्थ व चनावों में मतदाताओं को लुभाने निर्देश दिए हैं।

जहां पर जिला पुलिस अधिकारी भी तैनात रहेंगे। इसके लिए पुलिस मुख्यालय ने सभी रेंज आईजी, एसपी, कमिश्नर व डीसीपी को

पुलिस मुख्यालय से ऑपरेशन की मॉनिटरिंग आईजी व नोडल अधिकारी विकास कुमार कर रहे

हैं। कार्रवाइयों के आधार पर जिलों को रैंकिंग दी जाएगी। पुलिस ने वर्ष 2018 के चुनावों में नकदी, शराब, मादक पदार्थ समेत अन्य सामान करीब 65 करोड़ रुपए के ही बरामद किए थे, लेकिन इस बार पुलिस की सात गुना करीब ज्यादा

शराब

4 लाख लीटर

18 लाख लीटर

पुलिस द्वारा आचार संहिता के दौरान अलग-अलग ऑपरेशन चलाए है और नाको पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए है। इसलिए बरामदगी प्रतिशित बढ़ा है। अगले 24 घंटे में कार्रवाईयों दो गुनी करने के निर्देश दिए है। ताकि धनबल को रोका जा सके।

मादक पदार्थ

१५ करोड रुपए

86 करोड़ रुपए

विकास कुमार, आईजी व नोडल अधिकारी, पुलिस मुख्यालय

पुलिस एक्शन पर उठे सवाल

पुलिस आचार संहिता से पहले प्रतिदिन बॉर्डर पर 6.50 लाख रुपए का अवैध सामान जब्त करती थी। बॉर्डर पर राजस्थान, पंजाब, युपी, एमपी व हरियाणा की पुलिस मिलकर 16.50 लाख रुपए का सामान प्रतिदिन बरामद करती थी। इनमें शराब व मादक पदार्थ शामिल है। अब प्रतिदिन राजस्थान पुलिस तीन गुना ज्यादा यानी करीब 16 लाख रुपए का सामान जब्त कर रही हैं, जबकि पांच स्टेट मिलकर केवल 4 लाख रुपए का सामान ही बरामद कर पाए हैं। आचार संहिता लगने से पहले 100 दिन में पुलिस ने 6.50 करोड़ रुपए की शराब पकड़ी थी। वहीं, आचार संहिता लगने के बाद पुलिस ने महज 40 दिन में ही 16 करोड़ रुपए से ज्यादा की शराब पकड़ी है। पुलिस मुख्यालय की इस सख्ती से जिला पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। इससे लगता है कि पुलिस पहले कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति कर रही थी।





आवाज़ बेधड़क

च साल में एक बार मिलने वाले अवसर को नकारात्मक सोच या गैरजिम्मेदारी से खो देना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र के महायज्ञ में प्रत्येक मतदाता को अपने मताधिकार का उपयोग कर मतदान करके अपनी आहुति देने का अवसर मिलता है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या फिर लापरवाही के कारण मतदान नहीं करना किसी अक्षम्य अपराध से कम नहीं कहा जा सकता है। वर्तमान सिनेरियों में नोटा प्रयोग भी मंथन का विषय होना चाहिए। नोटा के प्रवधान को लेकर पक्ष विपक्ष में अनेक तर्क दिए जा सकते हैं पर समय आ गया है कि उस पर बड़ी बहस हो और उसको अधिक प्रभावी या कारगर बनाने के प्रावधान किए जाएं। सर्वोच्च

न्यायालय द्वारा मतदान को लेकर की गई टिप्पणी

सकारात्मक सोच के साथ मतदान करना जरूरी

भी इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि यदि हम मताधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं तो फिर सरकार के खिलाफ किसी तरह की ग्रिवेंस करना उचित नहीं ठहराया जा सकता। कमोबेस यह सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी की भावना रही है और इससे साफ साफ संदेश हो जाता है कि सजग व जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रत्येक मतदाता का दायित्व हो जाता है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग करे। अब तो निर्वाचन आयोग ने मतदान सुविधाजनक भी बना दिया है। बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं को घर बैठे मतदान का अवसर प्रदान कर दिया है। वहीं मतदाताओं के लिए जागरूकता अभियान से लेकर निष्पक्ष चुनाव के लिए कारगर कदम उठाए जाने लगे हैं।

भले ही सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद ईवीएम में नोटा यानी कि नन ऑफ द अवोव का प्रावधान कर दिया गया हो, पर एक जागरूक व जिम्मेदार मतदाता के लिए नोटा के प्रयोग को समझदारी भरा निर्णय नहीं माना जा सकता। कारण साफ है नोटा का बटन दबाकर अपनी भावना तो व्यक्त कर सकते हैं पर उसका इस मायने में कोई अर्थ नहीं रहता कि किसी कि जीत- हार में उसका 💶 नोटा का परिणाम प्रभावी तरीके से राइट टू रिजेक्ट होता तो अधिक कारगर होता। तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में उसकी कारगरता के अभाव के कारण नोटा के प्रावधान को हटाया जा चुका है। यूं कहें कि कई देशों में नोटा के प्रावधानों को कारगर नहीं पाने के कारण हटा दिया गया है।

खास असर नहीं पड़ता। राजस्थान के ही 2013 और 2018 के विधानसभा चुनावों का विश्लेषण किया जाए तो साफ हो जाता है कि 2013 के विधानसभा चुनावों में 4 करोड़ 8 लाख से अधिक मतदाताओं में से 5 लाख 89 हजार से कुछ अधिक यानी कि केवल 1.92 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। इसी तरह से 2018 के विधानसभा चुनावों का विश्लेषण किया जाए तो 4 करोड़ 77 लाख से कुछ अधिक मतदाताओं में से 4 लाख 67 हजार से कुछ अधिक यानी कि

1.3 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाकर

विरोध दर्शाया। अब एक ओर जहां 2018 में नोटा प्रयोग में कमी आई तो वहीं नोटा अपने आप में नकारात्मकता को दर्शाता है।

हालांकि आपने नोटा का प्रयोग कर यह संदेश दे दिया कि आपकी नजर में कोई भी उम्मीदवार खरा नहीं उतर रहा, पर सोचने वाली बात यह भी है कि इनमें से कोई एक उम्मीदवार ही विजयी होगा। आपका नोटा का बटन जीत-हार के अंतर को तो कम कर ही सकता है। नोटा के प्रयोग के स्थान पर उपलब्ध विकल्पों में से ही किसी एक को चुनना ज्यादा बेहतर माना जा सकता है। हालांकि एक

समय था जब कई बुथों पर विरोध स्वरूप मतदान 🛮 दर्ज कराने तक ही सीमित माना जा सकता है। का बहिष्कार करने का निर्णय कर लिया जाता था या फिर लोगों द्वारा उपलब्ध उम्मीदवारों में किसी को भी मत देने योग्य नहीं समझने के कारण विरोध का मत यानी कि नोटा के प्रयोग की मांग की जाती रही। नोटा का परिणाम प्रभावी तरीके से राइट ट्र रिजेक्ट होता तो अधिक कारगर होता।

तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में उसकी कारगरता के अभाव के कारण नोटा के प्रावधान को हटाया जा चुका है। यूं कहे कि कई देशों में नोटा के प्रावधानों को कारगर नहीं पाने के कारण हटा दिया गया है। अमेरिका की ही बात करें तो वहां नोटा का प्रावधान रहा है, पर 2000 आते-आते उसे हटा दिया गया। इसी तरह से रूस ने 2006 और पाकिस्तान में 2013 में नोटा प्रावधान को हटाया जा चुका है। देश के प्रबुद्ध नागरिकों, बुद्धिजीवियों, राजनीतिक विश्लेषकों, कानूनविद् को नोटा को लेकर गंभीर बहस छेड़नी होगी, जिससे नोटा को वास्तव में चुनावों में हथियार के रूप में उपयोग किया जा सके। आज की तारीख में बात करें तो नोटा केवल और केवल आपके विरोध को एक दूसरी बात और जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। आजादी के 75 साल बाद और दुनिया की सबसे बेहतरीन चुनाव व्यवस्था के बावजूद मतदान प्रतिशत 90 से 100 फीसदी के आंकड़े को नहीं छूना चिंता का विषय है। आज हालात बदल चुके हैं। कोई भी किसी को मतदान के अधिकार से जोर जबरदस्ती या अन्य कारण से रोक नहीं सकता। भारतीय चुनाव आयोग की निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था को सारी दुनिया द्वारा सराहा जाता है और लोहा मानते हैं। इस सबके बावजूद मतदान का प्रतिशत कम होना गंभीर है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या मतदान नहीं करना जिम्मेदार मतदाता का काम नहीं हो सकता। पांच साल में एक बार आने वाले इस अवसर का उपयोग सकारात्मक सोच व उपलब्ध विकल्पों के आधार पर ही बेहतर तरीके से किया जा सकता है। इसलिए मतदान को अपना कर्तव्य समझ कर घर से बाहर निकलें और मताधिकार का उपयोग अवश्य करें यह सभी मतदाताओं के दिलोदिमाग में होना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

शानदार मधुर रिश्तों के बावजूद दुर्भाग्य से बढ़ रहे हैं प्रवासी भारतीयों पर हमले

नई ऊंचाई पर भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध



विज्ञान एवं तकनीकी समझौते के अंतर्गत दोनों देश वित्तीय, शिक्षा सेवाओं, पर्यावरण, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर, संचार, रद्दी पदार्थ प्रबंधन, फसल वायरस, रासायनिक खादों का परीक्षण तथा खाद्यान्न इत्यादि क्षेत्रों में मिलकर सुचारू रूप से काम कर रहे हैं। दोनों देश द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग के साथ-साथ बहपक्षीय मंचों जैसे आसियान, हिंद महासागर

रिम, विश्व व्यापार संगठन इत्यादि पर भी सहयोगात्मक संबंध

विकसित किए हैं।

त दिवस पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी टू प्लस ट्र मंत्रिस्तरीय वार्ता के जरिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र समेत दुनिया भर में गहराती गंभीर चुनौतियों से मिलकर निपटने का आह्वान कर पुनः रेखांकित किया है कि दोनों दोस्त अंतरराष्ट्रीय मसले पर कंधा जोड़ने को तैयार हैं। दोनों देशों ने सूचना आदान-प्रदान के साथ समुद्री व रक्षा क्षेत्र में मिलकर काम करने की हामी भरी है। ऑस्ट्रेलिया ने चीन को व्यापारिक भागीदार के साथ अपने व भारत के लिए सबसे बड़ा सुरक्षा खतरा भी कहा है। भारतीय विदेश मंत्री की मानें तो विगत वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में तेजी आई है। दोनों देशों ने स्वीकार किया कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी न सिर्फ दोनों देशों के लिए लाभकारी होगी, बल्कि हिंद-प्रशांत की समग्र शांति, सुरक्षा और समृद्धि के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। गौर करें तो दोनों देशों के बीच रिश्ते लगातार प्रगाढ़ हो रहे हैं।

याद होगा मई माह में तीन देशों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रेलिया गए थे। तब उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों को परिभाषित करते हुए कहा था कि अब दोनों देशों के रिश्ते 'ट्रिपल सी' यानी कॉमनवेल्थ, क्रिकेट और करी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दोनों देशों के रिश्तों का आयाम बहुत व्यापक है। भले ही दोनों देश भौगोलिक रूप से दूर हैं लेकिन ऐतिहासिक संबंधों की डोर से बंधे हए हैं। तब ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी बॉस हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को उस अमेरिकी गायक ब्रूस स्प्रिंगस्टीन से भी ज्यादा बड़ा रॉकस्टार बताया जिसे सुनने के लिए ऑस्ट्रेलियाई यूथ उमड़ पड़ा था। अल्बनीज मोदी के इस कदर मुरीद हुए थे कि उन्होंने सिडनी के उपनगर हैरिस पार्क को 'लिटिल इंडिया' घोषित करने का ऐलान कर दिया था।

गौरतलब है कि हैरिस पार्क पश्चिमी सिडनी में एक केंद्र है जहां भारतीय समुदाय दिवाली और ऑस्ट्रेलिया दिवस जैसे त्योहार और कार्यक्रमों को उल्लास से मनाता है। दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्ते लगातार परवान चढ़ रहे हैं। अभी पिछले वर्ष ही ऑस्ट्रेलियाई संसद ने भारत के साथ मक्त व्यापार समझौते



(एफटीए) को मंजूरी दी। ख़ुद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने ट्वीट किया कि भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता संसद से पारित हो गया। इस समझौते के बाद कपड़ा, चमड़ा, फर्नीचर, आभूषण और मशीनरी सहित भारत का तकरीबन 6000 से अधिक उत्पाद ऑस्ट्रेलियाई बाजारों में शुल्क मुक्त पहुंचने लगा है। भारतीय नागरिकों के लिए वीजा आसान हो गया है। गौर करें तो पिछले दो दशकों में भारत में ऑस्टेलिया द्वारा द्वारा किया गया स्वीकृत पूंजी निवेश काफी महत्वपूर्ण रहा। 1991 से लेकर अभी तक भारत सरकार ऑस्ट्रेलिया के कई सैकड़े संयुक्त उद्यमों को स्वीकृति प्रदान की है।

वहीं भारत की सूचना तकनीक से जुड़ी कई महत्वपूर्ण कंपनियों ने ऑस्ट्रेलिया में वाणिज्य एवं कई संगठनों को अच्छी सुविधाएं प्रदान करने हेतु अपने कार्यालय खोल दिए हैं। इन कंपनियों के ऑफिस अधिकतर सिडनी में हैं। इनमें से आईआईटी, एचसीएल, टीसीएस, पेंटासोफ्ट, सत्यम, विप्रो, इंफोसिस, ऐपटेक, वक्रडवाइड, आइटीआइएल, महेंद्रा ब्रिटिश टेलकॉम लिमिटेड, मेगा सॉफ्ट ऑस्ट्रेलिया प्राइवेट लिमिटेड एवं जेनसार टेक्नोलोजिज इत्यादि प्रमुख कंपनियां हैं। मेलबोर्न में विंडसर होटल भी ओबेरॉय होटल समूह का होटल है। टाइटन घड़ियों ने सिडनी में अपना शो रूम खोल दिया है। क्वींसलैंड में पेसिफिक पेंट कंपनी को एशियन पेंट ने खरीद लिया है। स्टालाइट कंपनी ने माउंट लोयला में दो तांबे की खानें खरीद ली हैं। एयर इंडिया, आईटीडीसी, स्टेट बैंक तथा न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी ने ऑस्ट्रेलिया में अपने कार्यालय खोल लिए हैं। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया के वाणिज्य कर्मियों ने भी भारत में अपना कार्य शुरू कर दिया है। एएनजेड ग्रिंडले बैंक अपनी पांच दर्जन शाखाओं के साथ भारत में किसी भी विदेशी बैंक से सबसे बड़ा बैंक बन गया है। ऑस्ट्रेलिया की अन्य महत्वपूर्ण कंपनियां जो भारत में कार्यरत हैं, उनमें आरटीजेड, सीआरए, नेशनल म्यूचअल, क्वांटास, कोटी कॉर्पोरेशन, जोर्ड इंजीनियरिंग प्रमुख हैं। विज्ञान एवं तकनीकी समझौते के अंतर्गत दोनों देश वित्तीय, शिक्षा सेवाओं, पर्यावरण, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर, संचार, रद्दी पदार्थ प्रबंधन, फसल वायरस, रासायनिक खादों का परीक्षण तथा खाद्यात्र इत्यादि क्षेत्रों में मिलकर सुचारू रूप से काम कर रहे हैं। दोनों देश द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग के साथ-साथ बहुपक्षीय मंचों जैसे आसियान, हिंद महासागर रिम, विश्व व्यापार संगठन इत्यादि पर भी सहयोगात्मक संबंध विकसित किए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत के इस दुष्टिकोण का हमेशा समर्थन किया है कि विश्व के वित्तीय निर्णय-निर्धारक फोरमों का स्वरूप प्रजातांत्रिक और प्रतिनिध्यात्मक होना चाहिए। वह हमेशा भारत के साथ द्वि-पक्षीय

व्यापक संबंधों को आगे बढ़ाने की वकालत की है। अतीत के गर्भ में जाएं तो शीतयुद्ध के दौरान दोनों देशों के बीच संबंध आकर्षणपूर्ण नहीं रहे। उपनिवेशवाद से एक लंबे संघर्ष के बाद जब भारत स्वतंत्र हुआ तब उसने सैन्य गठबंधनों से दूर रहने के लिए गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाई तो ऑस्ट्रेलिया ने भारत की इस नीति को मूर्खतापूर्ण करार दिया, लेकिन देखा गया कि ऑस्ट्रेलिया में जब-जब मजदूर दल का शासन आया तब-तब दोनों देशों के संबंधों में निखार आया। वर्ष 1991 के बाद दो ऐसी घटनाएं (शीतयुद्ध का अंत और भारत में आर्थिक सुधार की प्रक्रिया) घटी जिससे दोनों देश एक-दूसरे के निकट आ गए, जिसका परिणाम यह हुआ कि दोनों देशों के बीच आर्थिक कारोबार आसमान छूने लगा। दोनों देश व्यापक ज्ञान भागीदारी के सृजन हेत् भी काम कर रहे हैं, जिसमें प्राथमिक स्कूल से विश्वविद्यालय स्तर तक की शिक्षा में संयुक्त सहयोग परियोजनाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान कार्य शामिल हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग इस भागीदारी का अहम अवयव है। गत वर्ष पहले ऑस्ट्रेलिया के विदेशमंत्री ने नालंदा विश्वविद्यालय के पुनरुत्थान की भारतीय पहल की सराहन। की और कहा कि यह महत्वपूर्ण कदम सहिष्णुता और समायोजन के मूल्यों को प्रोत्साहित करता है, जिसका ऑस्ट्रेलिया आदर करता है। अंतरराष्ट्रीय मंचों की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता पाने के भारतीय दावे का पहले ही

पूर्ण समर्थन कर चुका है। दोनों देशों के बीच शानदार मधुर रिश्ते के बावजूद दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह कि ऑस्ट्रेलिया में प्रजातीय हमले बढ़ रहे हैं। उसका सर्वाधिक शिकार भारतीय नागरिक बन रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया सरकार को ऐसे हमले को रोकना होगा। इसलिए और भी कि वर्तमान में अमेरिका के बाद विदेश में भारतीय विद्यार्थियों की सबसे अधिक संख्या ऑस्ट्रेलिया में ही है। उम्मीद है कि दूसरी ट्र प्लस टू मंत्रिस्तरीय वार्ता से न सिर्फ व्यापार-कारोबार और निवेश की दिशा में प्रगति होगी बल्कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और

भावनात्मक लगाव भी बढ़ेगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

विकास के लिए...

में कोई दो राय नही है अब, क्योंकि चंदे की रसीदें बड़ी द्रुतगति से काटी जा रही हैं। वे पांच लोग थे, जिन्हें देखकर सामान्य गृहस्थ थर-थर कांपने लगते थे। वे आते, खीसें निपोरते तथा गंदे दांत दिखाकर कहते-'देखिए साहब, थोड़ी देर हमारे साथ भी चलिए-आखिर सामुदायिक विकास का मामला है। अब यह अकेले ही हमारा कार्य तो

मैं और डर जाता तथा कहता-'भाई, मुझे तो बाजार जाना है। अब बताइए क्या प्रोग्राम है। मेरा मतलब कोई चंदे की बात हो तो मेरा पूरा योगदान है।' तब उनमें से एक आदमी रसीद बुक लेकर आगे बढ़ता और कहता है कि देखिए कल पौष बड़ों का कार्यक्रम है। भगवान का काम है- जो भी देना हो स्वेच्छा से दे दीजिए। मन में आता है कि स्वेच्छा से तो मैं फूटी कौड़ी भी नहीं देना चाहता, लेकिन मन मारकर कहता-'अब बताइए भी और क्या दे रहे हैं?'

'देखिए, अभी तक इक्यावन से कम तो किसी ने दिए ही नहीं हैं। फिर आप तो पढ़े-लिखे हैं। समिति के समझदार तथा सक्रिय सदस्य हैं। अपने लोग ही नहीं समझेंगे इसके महत्त्व को तो और लोग भला क्या देंगे? फिर साहब इस बहाने कॉलोनी में एक कार्यक्रम हो जाता है तथा मिलना-जुलना हो जाता है।' उनमें से कोई एक आदमी यह रटा हुआ जुमला उगल देता।

मैं यही कह पाता-'सही फरमा रहे हैं आप। मोहल्ले का तथा कॉलोनी का विकास इसी तरह सभी के सहयोग से होता है। यह क्या कम है कि कोई कुछ नहीं कर पाता और आप पांच लगे रहते हैं विकास कार्यों में। आप ही है की देन है कि रोड लाइटस तीस पर्सेन्ट जल रही है तथा सीवर लाइन भी ठीक-ठाक है। यह बात दीगर है



कि कुछेक जगह सीवर से पानी बाहर आकर रोगों को खुला आमंत्रण दे रहा है, पर आप अकेले करो भी क्या-क्या? लीजिए यह इक्यावन, बच्चों की फीस बाद में जमा करवा दूंगा। पहले मोहल्ले का विकास। यदि विकास समिति नहीं होती न, तो सच कहता हूं कि हमारा पार्क भी कूड़ा घर बन जाता। यह आपका ही प्रयत्न है कि यहां आज मंदिर बनाने की सोच रहे हैं?'

वे एक दूसरे के चेहरे देखते और फिर मुझे देखते और मुझे रसीद पकड़ाकर चलते बनते। यह कहानी यहीं खत्म नहीं होती, कल दीपावली पर अन्नकूट है तो एक दिन होली जलेगी तो किसी दिन मंदिर में किवाड़ लगेंगे।

इसके अलावा विकास समिति को मासिक विकास शुल्क अलग देना है। मंदिर समिति और विकास समिति, दोनों धाराएं अलग हैं, लेकिन एकता और अखंडता के लिए इसे मिला दिया गया है। मेरे सामने समिति के उपाध्यक्ष रहते हैं, वे इन दिनों सबसे बडे उदासीन है। उन्हें एक पद चाहिए था, वह मिल चुका है, अतः वह सदस्यों की हौसला अफजाई के अलावा कुछ नहीं कर पाते। चंदा वे भी दे देते हैं, ताकि उनके उपाध्यक्ष को किसी प्रकार का खतरा उत्पन्न न हो। पूरी कॉलोनी विस्मित रहती है कि यह विकास कौन कर रहा है। सफाई का तो हाल यह है कि कई बार अहसास होता है कि हम पेरिस में तो नहीं रह रहे।

नॉलेज कॉर्नर: आस्था का प्रतीक व ऑक्सीजन की मशीन है यह पेड़

दीवारों की दरारों में भी उग जाते हैं पीपल

नातन धर्म में ऐसे कई पेड़ पौधे हैं, जिन्हें बेहद पवित्र और पूजनीय माना जाता है। इन्हीं में से एक है पीपल का पेड़। पीपल के पेड़ को न सिर्फ धर्म से जोड़ा गया है, बल्कि वनस्पति विज्ञान और आयुर्वेद भी पीपल के पेड़ के कई तरह के फायदे बताते हैं। हिंदू धर्म में पीपल के पेड़ को वृक्षों का राजा माना गया है। हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार, पीपल के पेड़ में सभी देवी-देवताओं और पितरों का वास होता है। पीपल का वृक्ष भगवान विष्णु का जीवंत और पूर्णत:मूर्तिमान स्वरूप ही है। वहीं वैज्ञानिक इस पेड़ को ऑक्सीजन की मशीन भी कहते हैं। इस पेड़ से भारी मात्रा में ऑक्सीजन निकलती है। अधिक जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में....

ऐसे उगता है पौधा

जैसा की हमने बताया कि पीपल का पेड़ जीवन का पेड़ माना जाता है। यानी इससे ऑक्सीजन भरपूर मात्रा में निकलती है। वहीं इस पौधे के बीज में इतनी जान होती है कि ये आसानी से कहीं भी उग सकता है। पीपल के बीज घरों और इमारतों की दीवारों पर उगते हैं क्योंकि पीपल के पेड़ से भारी मात्रा में बीज पैदा होते हैं। ये बीज वजन में हल्के होते हैं और पीपल के पेड़ों से हवा, पक्षियों, कीड़ों और जानवरों आदि के माध्यम से इमारत की दीवारों तक पहंच जाते हैं। जब कोई पक्षी इसके बीज को खा कर दीवार पर मल त्यागता है

इसलिए

महत्वपूण

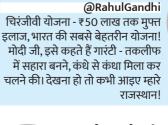


तो बीज इसके अंदर से भी उग जाता है। इसे उगने के लिए बेहद कम पानी और मिट्टी की जरूरत है। गर्मियों के मौसम में ये पौधा और तेजी से उगता है।

वैज्ञानिक दृष्टि से पीपल रात-दिन निरंतर 24 घंटे ऑक्सीजन देने वाला एकमात्र अद्भुत वृक्ष है,जिसके निकट रहने से प्राणशक्ति बढ़ती है। इसकी छाया गर्मियों में ठंडी और सर्दियों में गर्म रहती है इसके अलावा पीपल के पत्ते, फल आदि में औषधीय गुण होने के कारण यह रोगनाशक भी होता है।

ऐसे लगाएं पौधा

एक्सपर्ट्स मानते हैं कि ये पेड़ भले ही कितना भी अच्छा क्यों ना हो, लेकिन इसे घरों से थोडा दूर ही लगाना चाहिए। दरअसल, इस पेड़ की जड़े काफी दूर तक फैलती हैं। ऐसे में अगर ये पेड़ आपके घर के आसपास रहा तो इसकी जड़ें आपके घर की दीवारों और फर्श के नीचे फैल जाएंगी और इससे होगा ये कि आपके घरों की दीवारों में दरारें पड़ जाएंगी। यही वजह है कि लोग जैसे ही घर के आसपास पीपल का पेड़ देखते हैं उसे तुरंत

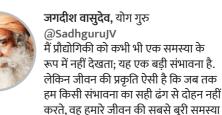


नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

का बटन दबने वाला है।

25 नवंबर को राजस्थान से कांग्रेस की विदाई











बन सकती है।

जरूरी खबर खाटूश्यामजी जन्मोत्सव पर



जयपुर। खाटू श्यामजी के जन्मोत्सव पर श्रद्धालुओं के लिए रेलवे की ओर से स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। रेलवे ने इस मौके पर होने वाली भीड़ को देखते हुए जयपुर से नारनौल और रींगस से रेवाड़ी के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय किया है। गाड़ी संख्या 09633 जयपुर से नारनौल के बीच 24, 25 और 27 नवंबर को चलेगी। यह ट्रेन जयपुर से सुबह 10:40 बजे रवाना होगी, जो दोपहर 2:05 बजे नारनौल पहुंचेगी। वहां से दोपहर 2:30 बजे रवाना होकर शाम 6:30 बजे जयपुर पहुंचेगी। 24 से 27 नवंबर तक गाड़ी संख्या 09637 रेवाड़ी से रींगस तक चलेगी। यह सुबह 11:40 बजे रेवाड़ी से दोपहर 2:40 बजे रींगस पहुंचेगी। गाड़ी 09638 रींगस से दोपहर 3 बजे खाना हो शाम 6:20 बजे रेवाड़ी पहुंचेगी।

वोट नहीं दे सकेंगे स्मारकों पर तैनात कर्मचारी

जयपुर। प्रदेश में शनिवार को होने वाले मतदान में पर्यटन स्थलों पर काम करने वाले कर्मचारी नहीं वोट नहीं डाल पाएंगे। पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने मतदान के दिन पर्यटन स्थलों को खोलने के दिए मौखिक आदेश दिए हैं, जबिक निर्वाचन विभाग की ओर से मतदान के दिन सभी निजी व सरकारी कार्यालयों में अवकाश घोषित कर रखा है। इस मामले में पर्यटन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि पर्यटन सीजन में वीकेंड पर काफी संख्या में पर्यटक स्मारकों पर घूमने के लिए पहुंचेंगे। इसलिए कर्मचारी ड्यूटी पर रहेंगे। वैसे कर्मचारियों को वोट डालने के लिए समय दिया जाएगा। कोई कर्मचारी छुट्टी करना चाहता है तो कर सकेगा।

सच बंधडक दैनिक हिन्दी अखबार

अब आपके अखबार के माध्यम से...

लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं

भारतीय जनता पार्टी की शिकायत पर चुनाव आयोग ने आचार संहिता का उल्लंघन माना मोदी को पनौती और जेबकतरा कहने पर राहुल को नोटिस

कैपिटल बेधड़क

राहल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए पनौती और जेबकतरे जैसे शब्दों का इस्तेमाल करना भारी पड़ गया। चुनाव आयोग ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए राहुल गांधी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आयोग ने नोटिस पर उनसे शनिवार शाम तक जवाब मांगा है।

भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी के खिलाफ निर्वाचन आयोग शिकायत की थी कि एक वरिष्ठ नेता की ओर से इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करना 'दुर्भाग्यपूर्ण' है। निर्वाचन आयोग ने गांधी को



आचार संहिता नेताओं को

रोकती है। गौरतलब है कि कांग्रेस राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ नेता राहुल गांधी पर 21 नवंबर को

याद दिलाया कि आदर्श चुनाव असत्यापित आरोप लगाने से बाड़मेर के बायत् में एक जनसभा के दौरान पीएम मोदी के लिए ये

बायतु रैली में यह कहा था राहुल ने

बायतु रैली में राहलु गांधी ने कहा था कि 'जेबकतरे होते हैं, जब दो जेबकतरे किसी की जेब काटना चाहते हैं तो सबसे पहले क्या करते हैं। ध्यान हटाने का काम करते हैं। एक आता है आपके सामने और आपसे कोई ना कोई बातचीत करता है। आपका ध्यान इधर-उधर ले जाता है। पीछे से दुसरा आता है। जेब काट लेता है। चला जाता है। मगर जेबकतरा सबसे पहले ध्यान हटाता है। भाडयों और बहनों नरेंद्र मोदी जी का काम आपके ध्यान को इधर-उधर करने का और आपकी जेब काटने का है। दोनों आते हैं, एक टीवी पर आता है आपसे कहेगा हिंदू-मुस्लिम। इसी तरह दूसरे बयान में कहा था कि कभी क्रिकेट मैच में चला जाएगा। वो अलग बात हैं कि हरवा दिया, पनौती। पीएम मतलब पनौती मोदी। वहीं तीसरे बयान में कहा था कि कभी आपको इधर ले जाएगा। कभी उधर ले जाएगा। कई आगे-पीछे। पूरा का पूरा फायदा चार-पांच उद्योगपतियों को देगा। पीएम पर टिप्पणी के लिए राहुल गांधी को चुनाव आयोग के नोटिस पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमारे पास जो भी नोटिस आएगा, हम उसको फेस करेंगे।

भाजपा ने की थी चुनाव आयोग में शिकायत

भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ इलेक्शन कमीशन में शिकायत कर कार्रवाई की मांग की थी। पार्टी महासचिव राधा मोहनदास अग्रवाल और ओम पाठक सहित प्रतिनिधिमंडल में शामिल नेताओं ने राहुल के बयान को अपमानजनक बताया था। बता दें कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष ने वर्ल्ड कप फाइनल मैच में भारतीय टीम के हार के बाद प्रधानमंत्री मोदी के लिए पनौती शब्द का इस्तेमाल किया था।

OPS पर पलटवार: सीएम ने शाह के आश्वासन पर उठाया सवाल

ओल्ड पेंशन स्कीम के लिए कमेटी नहीं कमिटमेंट चाहिए: गहलोत

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ' \mathbf{X} ' पर शाह की टिप्पणी शेयर करके दिया जवाब

बेधड़क । जयपुर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने को लेकर गुरुवार को अमित शाह पर निशाना साधा और कहा कि इसके लिए 'कमेटी नहीं, कमिटमेंट (प्रतिबद्धता) एवं गारंटी चाहिए।' मुख्यमंत्री ने ओपीएस के बारे में शाह की टिप्पणी को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर शेयर करते हुए लिखा, 'कांग्रेस कहती है ओपीएस की गारंटी। भाजपा कहती है कमेटी। ये फर्क है कांग्रेस और भाजपा में। गारंटी और कमेटी के बीच।'

बता दें, इससे पहले शाह से जब यहां संवाददाता सम्मेलन में ओपीएस पर केंद्र सरकार के रुख के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा,'हमने विचार के लिए एक कमेटी बनाई है। वो कमेटी उस पर काम कर रही है। जैसे ही कमेटी की रिपोर्ट आएगी, हम उस पर विचार करेंगे।' केंद्रीय गृह मंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में ओपीए के लिए कमेटी बनाने की बात कही थी।



अरे, शाह जी हम तो बना रहे OPS का कानून

गहलोत ने पलटवार करते हए लिखा, 'अरे, शाह जी कमेटी नहीं, कमिटमेंट चाहिए। गारंटी चाहिए। हम गारंटी दे रहे हैं कि अभी ओपीएस लागू किया है, अब इसे कानून बनाकर हमेशा के लिए स्थायी बना देंगे।'

क्या है ओपीएस की कहानी

साल 2023 की शुरुआत में विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान केंद्र सरकार से नई पेंशन योजना में जमा राशि को जारी करने का आग्रह किया था, क्योंकि राज्य ने पिछले साल अपने कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को वापस कर दिया था। गहलोत ने राज्यपाल के अभिभाषण पर दो दिन की बहस के बाद सदन को बताया था कि हम शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के लिए नई पेंशन योजना के तहत राज्य कर्मचारियों के स्थानांतरित फंड को अब और नहीं छोड़ सकते। केंद्र सरकार को जल्द से जल्द इसे जारी करना चाहिए। गहलोत सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए ओपीएस की घोषणा की है और केंद्र से 2005 से राजस्थान सरकार के कर्मचारियों के खाते में नई पेंशन योजना के तहत जमा हुए 39,000 करोड़ रुपए जारी करने को भी कहा है। हालांकि, पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरँण ने इस फंड को जारी करने से इनकार कर दिया था।

प्रचार थमने से पहले प्रतिज्ञा पत्र जारी

आरएलपी करेगी प्रदेश के किसानों की संपूर्ण कर्जमाफी



बेधड़क। जयपुर

आरएलपी ने गुरुवार को चुनाव प्रचार थमने से पहले अपना घोषणा पत्र जारी किया। पार्टी ने इसे प्रतिज्ञा पत्र का नाम दिया है। आरएलपी सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर के साथ साझा मंच पर यह पत्र जारी किया। प्रतिज्ञा पत्र में पार्टी ने किसानों की संपूर्ण कर्जमाफी, कृषि कार्य के लिए मुफ्त बिजली, किसानों की संपूर्ण

उपज की समयानुसार पर खरीद सुनिश्चित करना, टोल मुक्त राजस्थान, पांच लाख युवाओं को सरकारी नौकरी, संशक्त लोकायुक्त, रिफाइनरी, सीमेंट फैक्ट्रियों सहित सभी उद्योगों में 80 प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोजगार देने का वादा, राजस्थान में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति व पिछड़े वर्ग को त्वरित न्याय दिलवाने के लिए अलग से ठोस कानून बनाने की बात कही है।

आपके दिल की बात

अख़बार में प्रकाशन के news@sachbedhadak.com

पर E- Mail करें ।

विनीत 4 लोगों को दे गया नई जिंदगी समझाया। हलवाई का काम करने अलवर का विनीत (28) मरते-मरते भी चार लोगों को नई जिंदगी

सडक पर गिरने से हो गया था ब्रेन डेड

दे गया। विनीत पर गिरने से कोमा में चला गया था। ब्रेन डेड होने पर परिजनों की सहमति से उसके अंग जरूरतमंदों को दान किए गए। स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (सोटो) के सलाहकार डॉ. मनीष शर्मा के अनसार अलवर निवासी 28 वर्षीय विनीत कुमार 14 नवंबर को पैदल जाने के दौरान सडक पर अचानक गिर गया था। सिर में चोट आने से कोमा में चला गया था।



उसका निम्स मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। बधवार की रात विनीत को डॉक्टरों ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया। इसके बाद उनके परिजनों से संपर्क कर अंगदान के लिए समझाया। सोटो के सदस्यों ने भी परिवार को

वाले विनीत की दोनों किडनी और लिवर को जयपुर के हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों को दान किया। वहीं, लंग्स लेने के लिए किम्स अस्पताल सिकंदराबाद से टीम जयपुर पहुंची। इन सभी अंगों को जयपुर और जयपुर एयरपोर्ट तक पहुंचाने के लिए निम्स हॉस्पिटल से ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। एक किडनी एसएमएस में मरीज को लगाई। दूसरी रुक्मणि बिरला अस्पताल की टीम लेकर गई। लिवर संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल अस्पताल को टीम दिया गया।

🔟 आज मेरे यार की शादी है...



जयपुर। देवों के उठने के साथ ही गुरुवार से मांगलिक कार्यों के मुहुर्त शुरू हो गए। इसके चलते राजधानी में सावों की धूम रही। सड़क किनारे बैंड बाजों की धुन पर बाराती नाचते नजर आए। -फोटो: पंकज शर्मा

कमिश्नरेट पुलिस ने की कानून व्यवस्था बनाए रखने की पूरी तैयारी

जयपुर में चुनाव के दिन 8 हजार जवान संभालेंगे मतदान का मोर्चा

पुलिस आयुक्तालय, जयपुर

POLICE COMMISSIONER ATE, JAIPUR

2100

से अधिक पोलिंग

बूथों पर पड़ेंगे वोट पैरामिलिट्टी फोंर्स

बेधड़क । जयपुर राजधानी में शनिवार को शांतिपूर्वक मतदान कराने के लिए जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने पूरी तैयारी कर ली है। कमिश्नरेट के 5 हजार 500 जवान और पैरा मिलिट्टी फोर्स के 28 कम्पनी संवेदनशील बूथों पर तैनात रहेंगे। जहां पर पुलिस को कानून व्यवस्था बिगड़ने का अंदेशा है। गौरतलब है कि जयपुर में 2100 से अधिक पोलिंग बूथों

पर मतदान होगा। जानकारी के अनुसार जिला

संवेदनशील बूथों पर

प्रशासन, पुलिस और निर्वाचन विभाग की टीमों के सर्वे के बाद जयपुर में 410 मतदान केन्द्रों को संवेदनशील माना गया है। इन संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही पैरा मिलिट्टी फोर्स के जवान तैनात रहेंगे। सुरक्षा के लिहाज से केन्द्रीय सुरक्षा बल के कमांडेंट सुरक्षा की मॉनिटरिंग करेंगे। इसके अलावा 30 से ज्यादा क्यूआरटी, 30 फ्लाइंग स्कावायड और करीब 270 मोबाइल यूनिट में जवान तैनात रहेंगे।

चप्पे-चप्पे पर रहेगी पुलिस और सुरक्षा बलों की नजर

संवदेनशील पोलिंग बूथों की जानकारी मिलने के बाद इन पोलिंग बूथों पर पुलिस और केन्द्रीय सुरक्षा बल की टीमें एक दिन पहले से ही एक्टिव हो जाएंगी। इन बूथों पर पोलिंग शुरू होने से पहले किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा। वहीं, कुछ टीमें फ्लाइंग के लिए रिजर्वे रखी गई हैं, जो निर्वाचन अधिकारी की सूचना पर एक्शन करने के लिए तैयार रहेंगी। जिला प्रशासन के अलावा जयपुर किमश्नरेट पुलिस ने भी फ्लाइंग यूनिट बनाई है। जो समय-समय पर मतदान केन्द्रों पर जाकर जांच करेगी की किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी तो नहीं हो रही।

परकोटे में लगाई गई सबसे अधिक फोर्स

शहर में परकोटे में सबसे अधिक फोर्स को तैनात किया गया है। शहर में 410 पोलिंग बुथ को संवेदनशील बताया गया है। इसे देखते हुए करीब 2000 हजार से अधिक पैरा मिलेट्री और जयपुर कमिश्नरेट पुलिस को यहां पर लगाया गया है। वहीं दो रिजर्व बटालियन अलग-अलग पॉइंटों पर रखी गई है, जिसे पुलिस कमिश्नरेट और एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर के अधीन रखा गया है।

पुलिस के 4000 जवान अन्य जिलों में तैनात

जयपुर कमिश्नरेट में तैनात 4 हजार से अधिक जवानों को मतदान कराने के लिए दूसरे जिलों में भेजा गया है। यह वह पुलिसकर्मी हैं, जो कई समय से फील्ड में लगे हुए थे। दूसरे जिलों से भी बड़ी संख्या में जयपुर में मतदान कराने के लिए पुलिसकर्मी आ गए हैं।







तेलंगाना की चुनाव परिक्रमा: भारत राष्ट्र समिति, कांग्रेस और भाजपा ने तेज किए एक दूसरे पर सियासी हमले

गारंटियों, वादों व योजनाओं से सियासी चक्रव्यूह भेदने की जुगत

एजेंसी । हैदराबाद

तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए सियासी घमासान अब तेज हो गया है और अगले सप्ताह से इसके और गति पकड़ने की संभावना है। राजस्थान में 25 नवंबर को मतदान हो जाएगा जहां इन दिनों भाजपा और कांग्रेस के दिग्गज नेता डेरा जमाए हुए हैं। राजस्थान में मतदान के साथ ही विधानसभा चुनाव वाले चार राज्यों में मतदान की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। सिर्फ तेलंगाना ही शेष रह जाएगा, जहां 30 नवंबर को मतदान होना है। तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारती राष्ट्र



समित(बीआरएस)के प्रमुख और राज्य के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पार्टी के चुनाव अभियान की कमान संभाले हुए हैं, वहीं कांग्रेस की ओर से पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी व प्रियंका गांधी राज्य का दौरा कर चुके हैं। पार्टी अपना चुनाव घोषणा



पत्र जारी कर राज्य के लोगों को कई गारंटियां दे चुकी है और वादे कर चुकी है।

वहीं, भाजपा की ओर से मुस्लिम आरक्षण समाप्त करने व पिछड़े वर्ग के नेता को सीएम बनाने समेत कई अहम वादे किए गए हैं। मुख्यमंत्री केसीआर अपनी चुनाव



सभाओं में भाजपा व कांग्रेस पर जमकर सियासी हमले कर रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार इस बार राज्य में त्रिकोणीय मुकबला है। बीआरएस के अलावा कांग्रेस व भाजपा ने भी पूरी ताकत झोंक रखी है। राज्य के 13 प्रतिशत मुस्लिम आबादी पर कांग्रेस व

बीआरएस दोनों की नजर टिकी हुई है और वे उन्हें अपनी ओर करने में जुटी हैं। असद्द्वीन ओवैसी की एआईएमआईएम का केसीआर की पार्टी के साथ सहयोग है और वह के सीआर की पार्टी की सत्ता में वापसी चाहती है।

ऐसे में सवाल उठता है कि क्या केसीआर लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल कर राज्य में इतिहस रचेंगे या कांग्रेस सत्ता में लौट आएगी। प्रश्न यह भी उठ रहा है कि क्या भाजपा बहुमत का जादुई आंकड़ा पार कर सकेगी। या यहां त्रिशंकु विधानसभा बनेगी।

हैदराबाद नगर निगम चुनाव ने बढ़ाई थी भाजपा की उम्मीद

2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सिर्फ एक सीट हासिल हुई थी। गोशामहल सीट से टी राजा सिंह ही चुनाव जीतने में सफल रहे। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 19.65 फीसदी वोट हासिल किए और चार लोकसभा सीटों पर कब्जा किया। २०१८ में उसका वोट प्रतिशत 6.98 प्रतिशत था। 2020 में ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के चुनाव में भाजपा को 48 सीटें मिली जिसके बाद पार्टी की तेलंगाना को लेकर उम्मीद बढ़ गई। भाजपा अपनी सहयोगी जनसेना के साथ मिलकर राज्य की सभी 119 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

भ्रष्टाचार पर केसीआर को घेर रहा है भगवा खेमा

भाजपा केसीआर सरकार को भ्रष्टाचार को लेकर घेर रही है। भाजपा नेता बीआरएस सरकार को तीस प्रतिशत कमीशन वाली सरकार कह कर हमला कर रहे हैं। इसके साथ ही परिवारवाद का मुद्दा उठाकर भी उस पर हमला बोल रहे हैं। पार्टी ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में राज्य की कुछ परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा है कि उसकी सरकार बनी तो कालेश्वरम परियोजना और मौजूदा बीआरएस की सरकार द्वारा की गई अन्य वित्तीय अनियमितताओं सहित भ्रष्टाचार के सभी आरोपों की उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश से इसकी जांच राएगी।

क्रिकेट टीम के भगवाकरण का प्रयास: ममता



की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को दावा किया कि अगर क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच कोलकाता या मुंबई में खेला जाता तो भारत जीत जाता। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का भगवाकरण करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने किसी का नाम लिए बिना कहा, भारतीय टीम ने इतना अच्छा खेला कि उन्होंने विश्व कप में सभी मैच जीते, सिवाय उस मैच को छोड़कर जिसमें पापी लोगों ने भाग लिया था। ममता ने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही।

जातिगत जनगणना पूरी तरह वैज्ञानिक: कांथाराजू

बेंगलुरु। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष एच कांथाराजू ने गुरुवार को कहा कि राज्य में सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण या जाति आधारित जनगणना की कवायद पूरी तरह वैज्ञानिक थी। सभी को सर्वेक्षण पर अपनी राय रखने का हक है, लेकिन उसका अध्ययन करने से पहले ही टिप्पणी करना सही नहीं है। कांथाराजू ने कहा, सर्वेक्षण वैज्ञानिक है या अवैज्ञानिक है, इसका सत्यापन करके ही फैसला करना चाहिए। मैं तो कहूंगा कि यह पूरी तरह वैज्ञानिक रिपोर्ट है क्योंकि हमने इस पर काम किया है, प्रक्रिया देखी है और हर घर तक पहुंचने का प्रयास किया है।ज्ञात रहे कि सिद्धरमैया नीत पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 2015 में सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक सर्वे की शुरुआत की थी।

तेलंगानाः सीएम चंद्रशेखर राव ने चला अल्पसंख्यक कार्ड

'सत्ता में आए तो मुस्लिम यूथ के लिए बनेगा आईटी पार्क'

एजेंसी । हैदराबाद

अल्पसंख्यक मतदाताओं को लुभाने के लिए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने गुरुवार को कहा कि अगर उनकी पार्टी फिर से सत्ता में आई, तो उनकी सरकार अल्पसंख्यक युवाओं के लिए यहां एक विशेष सूचना प्रौद्योगिकी पार्क स्थापित करेगी। महेश्वरम में एक रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि उनकी सरकार मुसलमानों एवं हिंदुओं को दो आंखों की तरह मानती है और सभी को साथ लेकर चलती है। महेश्वरम से शिक्षा मंत्री सबिता इंद्र रेड्डी चुनाव मैदान में हैं।

राज्य में 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव हैं। केसीआर के नाम से लोकप्रिय राव ने कहा, आज हम पेंशन दे रहे हैं जो मुसलमानों को भी मिल रही है। हमने आवासीय विद्यालय खोले हैं जिनमें मुस्लिम विद्यार्थी भी पढ़ते हैं। हम सभी को अपने साथ लेकर



चलते हैं। हम मुस्लिम युवाओं के बारे में और हैदराबाद के पास उनके लिए एक विशेष आईटी पार्क स्थापित करने सोच रहे हैं। आईटी पार्क पहाडी शरीफ के पास बनेगा। उन्होंने कहा कि जब तक केसीआर जीवित हैं, तेलंगाना एक धर्मनिरपेक्ष राज्य बना रहेगा। मुख्यमंत्री के मुताबिक, अलग राज्य बनने के बाद तेलंगाना में विकास संभव हो सका है। उन्होंने लोगों से पूछा, 'तेलंगाना के लिए राज्य का दर्जा किसने हासिल किया। 24 घंटे मुफ्त बिजली लागू करने में कौन सक्षम है। हर घर नल का पानी किसने पहुंचाया।

कर्नाटक की चुनावी गारंटी को लेकर नड्डा का कांग्रेस और BRS पर वार

हैदराबाद। कांग्रेस पर कर्नाटक में उसकी चुनावी गारंटी लागू नहीं करने का आरोप लगाते हुए भाजपा के अध्यक्ष जे पी नहा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में कांग्रेस और सत्तारूढ़ बीआरएस दोनों जनता से झूठे वादे करते हैं। नड्डा ने यहां सांगारेड्डी कस्बे में एक चुनाव सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कर्नाटक की जनता कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने जैसे वादों के लागू होने का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस और केसीआर गारेंटियों की बात करते हैं। कांग्रेस हो या केसीआर, सत्ता में आई तो भ्रष्टाचार और परिवार के शासन की गारंटी है। नहा ने मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव के गरीबों को दो कमरों का मकान देने और दलित बंधु योजना लागू करने समेत चुनावी वादों को लेकर उन पर निशाना साधा। तेलंगाना में भ्रष्टाचार को लेकर भी राव को आड़े हाथ लिया।

जुमलों से किसानों की आय दोगुनी नहीं होती

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्य सरकार में मंत्री के टी रामा राव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पूर्व में किए गए वादे का जिक्र करते हुए गुरुवार को कहा कि बातों और जुमलों से किसानों की आय दोगुनी नहीं की जा सकती है। रामाराव ने इस दौरान पिछले दस साल में तेलंगाना में किए गए विकास कार्यों की उपलब्धि गिनाई । उन्होंने कहा कि समस्याओं के बावजूद पिछले एक दशक में राज्य में प्रगति हुई है और अब तेलंगाना देश में सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय वाला राज्य बन गया है।

एससी-एसटी के प्रतिनिधित्व का मामला

केंद्र सरकार नए सिरे से करे परिसीमन आयोग का गठन: SC

एजेंसी । नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को केंद्र को संविधान के तहत अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के रूप में निर्दिष्ट समुदायों का आनुपातिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए एक नया परिसीमन आयोग स्थापित करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने हालांकि यह भी कहा कि वह संसद को अनुसूचित जनजाति का हिस्सा बनने वाले अन्य समुदायों को उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए संशोधन करने या कानून बनाने का निर्देश नहीं दे सकती क्योंकि यह विधायी क्षेत्र में दखल देना होगा।



सिक्किम और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं में लिम्बू और तमांग आदिवासी समुदायों के आनुपातिक प्रतिनिधित्व की मांग करने वाली याचिका पर प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायाधीश जे.बी. पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की पीठ ने निर्देश जारी किए थे। पीठ ने कहा, हमने स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें परिसीमन आयोग का गठन करना होगा।

ईडी मामला: SC ने की सुनवाई स्थगित

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपने 27 जुलाई, 2022 के एक फैसले पर पुनर्विचार के अनुरोध वाली याचिकाओं पर सुनवाई आठ सप्ताह के लिए स्थगित कर दी, जिसमें धनशोधन की रोकथाम कानून के तहत गिरफ्तारी और संपत्ति कुर्क करने की प्रवर्तन निदेशालय की शक्तियों को बरकरार रखा गया था। जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने सुनवाई स्थगित । सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों पर विस्तार से ध्यान देने के लिए समय मांगा।

जम्मू-कश्मीर: राजौरी में आतंकियों से मुठभेड़ में एक और जवान शहीद

लश्कर कमांडर समेत दो आतंकवादी ढेर

एजेंसी । राजौरी/जम्मू जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में

सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में गुरुवार को अफगानिस्तान में प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर समेत दो आतंकवादी मारे गए। मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों का एक और जवान भी शहीद हो इसके साथ ही मुठभेड़ में जान

गंवाने वाले सुरक्षा बलों के जवानों की संख्या बढ़ कर पांच हो गई है. जिसमें दो कैप्टन भी शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि रात भर के विराम के बाद गरुवार सबह गोलीबारी फिर से शुरू हो गई,



जिसमें दोनों आतंकवादी मारे गए। अतिरिक्त सुरक्षा बलों की मदद से इलाके की घेराबंदी कर दी गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकी घने जंगली इलाके की ओर न भाग सकें। इससे पहले

रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि लश्कर का एक कमांडर तथा पाकिस्तानी आतंकवादी मुठभेड़ में मारा गया है और उसकी पहचान क्वारी के तौर पर की गई है। वह पाकिस्तानी है

माजिद की शहादत पर गर्वः युसुफ

आतंकियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हए हवलदार अब्दुल माजिद के चाचा मोहम्मद युसुफ ने कहा कि उन्हें अपने भतीजें की शहादत पर गर्व है। उनके भाई भी जम्म कश्मीर लाइट इन्फैंट्री के एक सैनिक थे जो वर्ष 2017 में पुंछ के भिम्बर गली इलाके में शहीद हुए थे। उन्होंने कहा, हमारा परिवार देश की रक्षा के लिए एलओसी पर रहने वाले सैनिकों का परिवार हैं। हमारे परिवार में 30 से 40 सदस्य हैं जो भारतीय सेना में सेवारत हैं या फिर सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

इंतजार की घड़ियां हुई कुछ और लंबी...

ड्रिलिंग का काम फिर से रुका

एजेंसी । उत्तरकाशी

उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में फंसे हुए श्रमिकों को निकालने के लिए जारी ड्रिलिंग का काम गुरुवार को फिर से रोकना पड़ा। जिड्रिलिंग के लिए जिस मंच पर उपकरण लगे हैं उसमें कुछ दरारें आ गईं। ससे वहां फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने की घड़ियां और लंबी हो गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि बचाव कर्मी डिलिंग फिर से शुरू करने से पहले उस मंच को मजबूत करेंगे जिस पर 25 टन की ऑगर मशीन लगी हुई है।



10 से 12 मीटर की डिलिंग है शेष

सुरंग में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए अभी 10 से 12 मीटर ड्रिंलिंग शेष है। जिसके लिए छह-छह मीटर के दो पाइप डाले जाने हैं। इससे पहले बुधवार देर रात बाधा आने के बाद 800 मिलीमीटर व्यास वाले स्टील पाइप को मलबे में डालने के लिए की जा रही डिलिंग को रोकना पडा था। ऑगर मशीन से ड्रिलिंग के दौरान लोहे का सरिया बाधक बन गया था। गैस कटर से सरिये को काट कर हटा दिया गया। अब तक 48 मीटर लंबाई तक पाइप डाला जा चुका है।

मीराबाई जन्मोत्सव

गुलामी की मानसिकता से पहली बार बाहर आया देश: मोदी

और कुख्यात आतंकवादी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि आज आजादी के 'अमृतकाल' में पहली बार देश गुलामी की मानसिकता से बाहर आया है।

हमने लाल किले से 'पंच प्रणों' का संकल्प लिया है। हम अपनी विरासत पर गर्व की भावना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी ने 'मीराबाई जन्मोत्सव' समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा , भगवान श्री कृष्ण की अनन्य भक्त संत मीराबाई का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा शक्ति है। मथुरा की

पावन धरा पर संत मीराबाई की 525 वीं जन्म-जयंती के उत्सव में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य

प्रधानमंत्री मोदी ने गरुवार को मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर में पूजा-अर्चना की। मोदी ने श्रीकृष्ण जन्म भूमि मंदिर में पूजा करने के बाद एक्स पर लिखा, मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में दिव्य पूजन का सौभाग्य मिला।

ब्रज के हर कण-कण में बसे गिरधर गोपाल के मनोहारी दर्शन ने पूरी तरह से भाव-विभोर कर दिया। मैंने उनसे देशभर के अपने सभी परिवारजनों के लिए सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की।



श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में पूजा-अर्चना करते पीएम मोदी।

मीराबाई के सम्मान में डाक टिकट-सिक्का जारी

प्रधानमंत्री ने मीराबाई की 525 वीं जयंती के अवसर पर उनके सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट और 525 रुपए का सिक्का भी जारी किया। कार्यक्रम के अंत में ब्रज रज उत्सव में प्रधानमंत्री के सामने सांसद एवं अभिनेत्री हेमा मालिनी ने मीराबाई नृत्य नाटिका में मीरा के कृष्ण प्रेम के विरह को नृत्य से उकेरा।पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह ब्रज क्षेत्र भक्ति और प्रेम की भूमि तो है ही, यह हमारे साहित्य, संगीत, संस्कृति और सभ्यता का केंद्र रहा हैं। जब देश आजाद हुआ तो जो महत्व इस पवित्र तीर्थ को मिलना चाहिए था, दुर्भाग्य से वह नहीं हुआ। जो लोग भारत को इसके अतीत



सें काटना चाहते थे, जो लोग भारत की संस्कृति से उसकी आध्यात्मिक पहचान से विरक्त थे । वह आजादी के बाद भी गुलामी की मानसिकता नहीं त्याग पाए। उन्होंने ब्रज भूमि को भी विकास से वंचित रखा। आज काशी में विश्वनाथ धाम भव्य रूप में हमारे सामने हैं। उज्जैन के महाकाल महालोक में दिव्यता के साथ साथ भव्यता के दर्शन हो रहे हैं। अब तो अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर के लोकापर्ण की तिथि भी आ गई है।

निहंगों ने चलाई गोली, पुलिसकर्मी की मौत

सुल्तानपुर लोधी, (कपुरथला)। पंजाब के कपूरथला जिले में निहंगों के समूह की गोलीबारी में पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई जबकि दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। गुरुद्वारा पर कब्जे को लेकर निहंगों के दो गुटों में विवाद है। घटना उस वक्त हुई जब पुलिसकर्मी सुल्तानपुर लोधी में बाबा मान सिंह के नेतृत्व वाले निहंगों के एक गुट द्वारा खाली किए गए गुरुद्वारे अकाल बंगा साहिब में अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे। कपूरथला के पुलिस अधीक्षक हुंडल ने बताया कि पुलिसकर्मी सड़क पर खड़े थे, तभी कुछ निहंगों ने उन पर गोलियां चला दीं। गोलीबारी में एक पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।





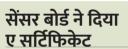




राकी भाई को भूल जाइए... क्योंकि आ गया है एनिमल

> **शिवराज गुर्जर.बेधड़क. जयपुर।** अगर आपके दिलो दिमाग पर केजीएफ वाले रॉकी भाई अब तक छाए हुए हैं तो अब उसे साफ करने का समय आ गया है, क्योंकि मार्केट में अब उससे सॉलिड नया 'भाई' आ गया है। गुरुवार को रणबीर कपूर की मोस्ट अवेटेड मूवी एनिमल का रिलीज होने के साथ ही छा गया है। ट्रेलर का एक-एक शॉट रुला देने वाला है, रोंगटे खड़े कर देने वाला है। यह 'भाई' हथियारों के मामले में भी रॉकी पर भारी पड़ रहा है। रॉकी जैसी मशीनगन लेकर आए थे वैसी मशीनगनों की तो यह भाई गाड़ी लेकर आया है। रॉकी का फेवरेट हथियार हथौड़ा था, जबकि रणबीर को कुल्हाड़ा पसंद है....

एक्शन और इमोशंस का जबरदस्त तड़का ट्रेलर में एक पिता और पुत्र के इमोशंस को जिस तरह से दिखाया गया है कमाल है। अनिल कपूर पिता के रूप में जंचे हैं। रणबीर कपूर कमाल हैं। उनका लुक शुरुआत वाले सीन में कुछ-कुछ क्या पूरी तरह से खलनायक के संजयदत्त से मिलता है। पिता के प्रति पुत्र के प्यार को रणबीर ने जिस शिहत के साथ जीया है उसी से उन्होंने एक्शन को भी जीया है। इस मूवी को देखने के बाद लोग केजीफ के रॉकी भाई के किरदार की तरह रणबीर के इस रोल को याद करेंगे। ऐसा मेरा मानना है। मूवी में जो हीरो के बाद सबसे सॉलिड किरदार है, वो है बॉबी देओल का। ...और भाई ने क्या एक्टिंग की है। छोटी सी एंट्री में छा गया है। एंट्री भी गजब की है-१११११११ के साथ चुप कराते हुए सामने आते हैं। पूरा फेस ब्लड में सना हुआ। इसके बाद जो रणबीर और बॉबी की फाइट है, कमाल है। एक्शन सींस जबरदस्त हैं। सबसे कमाल सीन है जिसमें रणबीर कपूर औंधे मुंह जमीन पर गिरा हुआ है और उसके ऊपर बॉबी देओल सीधे लेटा हुआ है। फिर सिगरेट मुंह में लेकर धुआं छोड़ता है तो कसम से मजा आ जाता है। नेवर बिफोर सीन।



रणबीर कपूर की अपकमिंग मूवी एनिमल को सेंसर बोर्ड ने ए सटीर्फिकेट दिया है। ऐसे में यह फिल्म बच्चे नहीं देख पाएंगे। इस मूवी को लेकर लोगों में जबरदस्त क्रेज है, लेकिन ए सर्टीफिकेट मिलने से इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर प्रभाव पड़ सकता है। इसके साथ ही फिल्म की एक खास बात और है इसकी लंबाई। यह मूवी साढ़े तीन घंटे की है। ऐसे में इसका इंटरवल ही पौने दो घंटे बाद होगा। रणबीर कपूर की इस मूवी के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा हैं जो साउथ के जाने-माने डायरेक्टर हैं। इस मूवी में रणबीर कपूर के अपोजिट पुष्पा फिल्म से चर्चा में आए नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना है।

रिलीज डेट

रणबीर कपूर की संदीप रेड्डी वांगा के द्वारा निर्देशित यह फिल्म दिसंबर के पहले दिन यानी कि एक दिसंबर को रिलीज होगी। यह संदीप रेडडी वांगा वही हैं, जिन्होंने कबीर सिंह का डायरेक्शन किया था। कबीर सिंह वो मूवी थी, जिसने युवाओं को अपना दीवाना बना लिया था। इस फिल्म से शाहिद कपूर का बहुत बड़ा फैन बेस बना था।

फिल्म का बजट

एनिमल का बजट सौ करोड़ रुपए बताया जा रहा है। इन दिनों आ रही बिग बजट मूवीज के हिसाब से यह काफी कम हो सकता है, लेकिन ट्रेलर से पता चल रहा है कि यह मूवी उन सब से कमाऊ साबित होने वाली है।

ये कलाकार हैं मूवी में

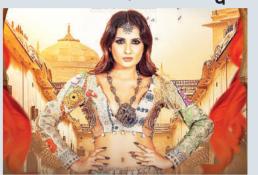
एनिमल मूवी की कास्ट की बात करें तो रणबीर कपूर तो मूवी के हीरो हैं ही उनके साथ हीरोइन हैं रश्मिका मंदाना। मूवी में अनिल कपूर ने उनके पिता का करदार निभाया है। खलनायक बॉबी देओल हैं। तृप्ति डिमरी, शक्ति कपूर, प्रेम चोपड़ा, सुरेश ओबेरॉय, रवि गुप्ता, बब्लू पृथ्वीराज, सिद्धांत कार्णिक और सौरभ सचदेवा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

केर के बालाजी में नींव मुहूर्त



बेधड़क. जयपुर। जगतपुरा स्थित केर के बालाजी मंदिर में नवनिर्माण के लिए नींव का मुहुर्त देवउठनी एकादशी को संत प्रकाश दास महाराज, केशव दास महाराज व जयपुर सांसद रामचरण बोहरा के सानिध्य में किया गया। अध्यक्ष रामूलाल शर्मा, मंत्री गंगासहाय शर्मा, कन्हैयालाल शर्मा, रामजीलाल मीणा, रामगोपाल मांड्या, नाथूलाल शर्मा, बालचंद शर्मा आदि के साथ किशनपुरा व आसपास के सैकड़ों भक्त इस मौके पर उपस्थिति रहे।

लोकगीत को दिया मॉडर्न ट्विस्ट



बेधड़क. जयपुर। चित्रलेखा सेन टी-सीरीज की "इंजन की सीटी" लेकर आई हैं, जो पारंपरिक राजस्थानी लोक और आधुनिक धुनों का मिश्रण है। अग्नि रुहेला द्वारा रचित ट्रैक सदियों पुराने लोक संगीत में नई जान फूंक रहा है, जिसको जयपुराइट्स एंजॉय कर रहे हैं। पुराने को नए के साथ मिश्रित किया है, जिससे अनूठे जोशपूर्ण बीट्स के साथ डांस पार्टी सॉन्ग बन गया। चित्रलेखा द्वारा अभिनीत और सार्थक कनौजिया द्वारा निर्देशित इंजन की सीटी का संगीत वीडियो संस्कृति का हिस्सा भी है। ट्रेडिशनल और मॉडर्निटी के मिश्रण से जयपुराइट्स खुद को जोड़ रहे हैं।

City इवेंट्स

ट्रायो चैंपियनशिप मुकाबले शुरू



बेधड़क. जयपुर। स्पोफिट एकेडमी में चल रही डीबीएल के सीजन 5 में ट्रायो चैंपियनशिप मुकाबले शुरू हो गए। लीग चेयरमैन सचिव डॉ. अनिल यादव ने बताया कि ट्रायो चैंपियनशिप में डॉ. नरेश सोमानी की टीम ने डॉ. अंकुर मंगल की टीम को 21-16 से हराया। लीग संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि जोड़ी ऑफ दि ईयर कैटेगरी में डॉ. राजेंद्र-प्रियंका ने डॉ. भान-निमिशा को 2-1 से हराया। दबंग जोड़ी कैटेगरी में डॉ. आलोक-देवेश ने डॉ. लवीश-सहैल को 2-0 से हराया। मलंग जोडी कैटेगरी में डॉ. अरुण परतानी-निशांत ने डॉ. कपिल-अभिमन्यु को 2-1 से व डॉ. मनीष जैन-अवधेश ने डॉ. विशाल-नरेश को 2-1 से हराया। आयोजन सचिव डॉ. हनमान खोजा ने बताया कि अन्य मैचेज में सुवीरा यूरोशूटर्स ने महात्मा गांधी हॉस्पिटल को 3-0 से हराया। विमन कैटेगरी में लिपि क्लिनिक ने इंडस हॉस्पिटल को 3-1 से व जयपुर हार्ट ने भंडारी हॉस्पिटल को 3-0 से हराया।

सम्मेलन में लैपटॉप मिले तो चेहरे खिले

बेधड़क. जयपुर। एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल प्रदेश कार्यालय राजस्थान की ओर से राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अरुण कुमार चौधरी रहे। उन्होंने कहा कि हमें आर्थिक विकास के साथ व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देना चाहिए। सबको एक-दूसरे की मदद करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करना है। काउंसिल प्रदेश अध्यक्ष मुकेश लोधी ने बताया कि इस मौके पर साइबर सुरक्षा को लेकर अहम तथ्य बताए गए। काउंसिल राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रामनिवास मीना ने बताया कि कार्यक्रम में जिला अध्यक्षों को लैपटॉप व मिनी प्रोजेक्टर दिए गए।

पिच्छि परिवर्तन के पोस्टर का विमोचन



बेधडक. जयपुर। जनकपुरी ज्योति नगर जैन मंदिर में शनिवार को गणिनी आर्यिका विशुद्धमति माताजी की शिष्या बालयोगिनी आर्यिका विशेषमति माताजी के पिच्छि परिवर्तन समारोह का आयोजन किया गया। इसी दिन वर्षा योग मंगल कलशों का वितरण भी किया जाएगा। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार समारोह के आयोजन के पोस्टर को गुरुवार को सर्व प्रथम मूल नायक भगवान नेमिनाथ के समक्ष समर्पित कर विमोचन आर्थिका के सानिध्य में किया गया। मन्दिरजी में प्रातः कलश वितरण का कार्य तथा मध्याह्न पिच्छि परिवर्तन समारोह होगा। इसमें मधुबन, प्रताप नगर, महेश नगर, चित्र कूट, चोमू बाग, झोटवाड़ा आदि स्थानीय समाज के अलावा नैनवा, चौथ का बरवाडा, टोडा, मिठड़ी, जोबनेर आदि स्थानों के भक्त जन सहभागिता करेंगे।

रवींद्र मंच पर 'अमावस री कथा' का मंचन नाटक में दिखाए प्यार के रूप, प्रेम बाह्य आडंबर पर नहीं टिका



बेधडक । जयपुर

प्रेम किसी बाह्य आडंबर पर नहीं टिका होता है। इस प्रसंग को कलाकारों ने मंच पर उतारा तो कई मैसेज सामने आए। कलंदर सोसायटी की ओरे से प्रस्तुत रुचि भार्गव द्वारा संयोजित और चन्दन कुमार जांगिड़ द्वारा लिखित व निर्देशित नाटक 'अमावास री कथा' में प्रेम के इसी रूप को मंच पर दर्शाया गया।

मौका था रवींद्र मंच पर नाटक में कलाकारों के जीवंत अभिनय का। शैलेन्द्र सिंह भाटी की कहानी

से आंशिक रूप से प्रेरित नाटक में किरदार सूज्या को पूर्णमासी के

चांद की चेष्टा थी। सूज्या का हमेशा से ख्वाब था कि पत्नी हो तो रूप में मूमल जैसी और रंग में एकदम सफेद दुध से नहाई हुई। और आखिर हो भी क्यों ना? पूरे गांव में सूज्या का नाम था और उसके चर्चे थे। हालांकि गांव में 2-3 सूज्या थे, लेकिन गांव से बाहर सरकारी नौकरी करने वाला वह इकलौता था। इन सबके बावजूद भी उसके भाग्य

में अमावस का चांद लिखा था,

इसीलिए भाग्य से दुखी हो शादी के दूसरे दिन ही बगैर अपनी पत्नी लच्छी का मुंह देखे सूज्या वापस शहर चला गया। नाटक में प्रियांशी राठौड़, युवराज गक्खड़, मोहित कुमावत, ऋचा शर्मा, भव्य जैन, दिग्गपाल सिंह राठौड़, हिमाली भाटिया और जैनिस हाशमी और अनिमेष आचार्य ने अभिनय किया। बैक स्टेज में खशब अग्रवाल, अनुराग शर्मा, कुलेंद्र मिश्रा, सचिन शर्मा, सुनील सैनी, शेफाली वीर थे तो म्यूजिक हैंडल अनिमेष आचार्य ने किया।

श्रीझूलेलाल मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

108 प्रकार की औषधियों से महास्नान कराकर की प्रतिष्ठा



बेधडक । जयपुर

मुर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा में भक्तजनों ने हिस्सा लेकर भक्ति भाव दर्शाया और जयकारों से परिसर को गूंजामय कर दिया। मौका था पूज्य अमरलाल साहिब मंडल के तत्वावधान में सिंधी कॉलोनी राजापार्क स्थित श्रीझुलेलाल मंदिर में श्रीराम दरबार, साईं बाबा, साईं पुरसनाराम साहिब की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा का।

सबसे पहले भगवान की मूर्तियों को 108 प्रकार की औषधियों से महास्नान कराया सिहत विद्वानों का पखर पहना

और महान्यास अनुष्ठान हुआ। भगवान को वस्त्र धारण कराए गए व हवन की पूर्णाहति के बाद आरती की गई। सिंधी समाज की विशिष्ट पल्लव प्रार्थना से मंगल कल्याण की कामना की गई।

तलसी-शालिग्राम विवाह का आयोजन भी हुआ। इस मौके पर महिलाएं 70 से अधिक लड़ गोपाल मंदिर परिसर में लेकर आईं थीं। साईं मुकेश साध ने पंडित बनवारी लाल शर्मा, पंडित महेश शर्मा, पंडित मोहन लाल शर्मा

कर स्वागत किया। अध्यक्ष शंकर आसनानी ने बताया कि मंदिर स्थापना के समय ही झूलेलाल मंदिर से ज्योति लाई गई थी, जो मंदिर में स्थापित है।

उस अखंड ज्योति के भक्तों ने दर्शन किए। कार्यक्रम में नरेंद्र तुलसी त्रिलोकानी, कमलेश आसुदानी, तुलसी संगतानी, गणेश राजपाल, टीकम दास खटवानी, बंसी लाल, सुंदर दास, जितेंद्र जैसवानी, मनीष हरवानी सहित सैंकड़ों भक्त सम्मिलित हुए।

चीयरअप

जयपुर की लेडीज पार्टी में इजिप्शियन रंग

एक प्लेटफॉर्म पर बांटी खुशियां, फिटनेस पर की बात

बेधड़क। जयपुर

दीपोत्सव के बाद जब लेडीज एक प्लेटफॉर्म पर आईं तो खुशियों के रंग बिखरने के साथ इजिप्शन थीम सभी को प्रभावित कर गई। लेडीज के ग्रुप ने अपने ड्रेसअप पर खास ध्यान दिया और इंडो-वेस्टर्न के रंग बिखेरे।

इस मौके पर शादी सीजन के साथ सभी गेस्ट के लिए सेल्फ एक्सप्लोरेशन जर्नी व खुद को कैसे अपनी बेस्ट दिखा सके के लिए स्पेशल सेशन एंड पार्टी रखी गई। सोनाली खंडेलवाल ने माहौल इजिप्शन व इजिप्शन क्वीन



क्लियोपेट्रा की थीम पर रखा। हर मेम्बर को क्लियोपेट्रा की तरह तैयार भी किया गया।

पार्टी में गेस्ट को पायल संगतानी ने इजिप्शन स्टाइल का मिडल ईस्टर्न क्विजीन सर्व

अंदाज में सजकर आईं और पार्टी को चीयरअप किया।

क्वीन क्लियोपेट्रा की तरह सजाया खुद को

जयपुर की महिलाओं को क्वीन क्लियोपेट्रा की तरह खुबसूरत बनया तो हर कोई लुक्स की तारीफ करता दिखाई दिया। एफबीएस ने सभी महिलाओं को दिवाली डीटॉक्स के लिए सभी के लिए पैंपरिंग का आयोजन किया। तकनीकों से उम्र और काया को अप्सराओं की तरह रखा। लेडीज को विशेषज्ञों ने नए तरीकों और तकनीकों से क्लियोपेट्रा के अंदाज में स्किन एनालिसिस, फेसिअल स्किन, बॉडी एनालिसिस, हेयर एनालिसिस, बॉडी को कैसे परफेक्ट व फिट रखा जाए आदि के बारे में बताया।

नई पारी की रखी नींव

इस अनूठी पार्टी एंड सेल्फ एक्सप्लोरेशन जर्नी में रश्मि कोटवाला, वैशाली मोदी, डॉ. ऋचा शर्मा, प्राची खंडेलवाल, स्वाति गहलोत, प्रीति सचदेवा, नंदिनी जैसवानी, प्रियंका सिंहल आदि ने अपनी नई पारी की नींव रखी।



जयपुर, शुक्रवार, २४ नवंबर, २०२३





पग अस्पतालः हमास के बड़े ठिकाने का खुलासा

इजराइली सेना ने गाजा के सबसे बडे अस्पताल शिफा के नीचे हमास का सैन्य केंद्र होने के अपने दावे को पत्रकारों के एक समूह को एक भूमिगत ठिकाने की तरह प्रतीत होने वाले बंकर दिखाए।

दर्जनों सैनिक इन संकीर्ण सुरंग के जरिए शिफा नहीं किया जा रहा।

भूमिगत बंकरों में ले गए। सेना के अनुसार इस

स्रंग की लंबाई 150 मीटर है। सुरंग के अंत साबित करने के लिए विदेशी में स्थित कई क्वार्टर में कंडीशनर, रसोईघर, शौचालय और सफेद टाइल से बने कमरे में धातु की चारपाई हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है पत्रकारों को पत्थर की एक कि इनका इस्तेमाल अभी

आज से हो सकती है बंधकों की रिहाई

इजराइल और हमास के बीच गाजा में चार दिन के युद्ध विराम और हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के बदले में इजराइल की जेलों में बंद फिलिस्तीन के नागरिकों को रिहा कराने संबंधी समझौते में अंतिम वक्त में व्यवधान आ गया है। इजराइल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने घोषणा की है कि यह समझौता शुक्रवार से लागू हो सकता है। इस कूटनीतिक सफलता से गाजा में 23 लाख फिलिस्तीनियों के लिए कुछ राहत दिखाई दे रही है, जिन्होंने हफ्तों तक इजराइली बमबारी को सहन किया है, साथ ही इजराइल में उन परिवारों के लिए राहत भरी खबर है जो 7 अक्टूबर के हमास के हमले के दौरान बंदी बनाए गए अपने प्रियजनों के भाग्य को लेकर भयभीत हैं।

बर्लिन। जर्मनी पुलिस ने गुरुवार को देश भर जर्मनी: हमास में विभिन्न स्थानों पर चरमपंथी संगठन हमास समर्थकों पर समर्थकों के यहां छापे मारे। पुलिस ने कट्टरपंथी संगठन की गतिविधियों पर औपचारिक मारे छापे

गाजा में 13,000 से ज्यादा की मौत

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)। हमास शासित गाजा में स्वास्थ्य

मंत्रालय ने कहा कि उसने इजराइल-हमास की जंग में मारे गए

कर दिया है और मृत्यु के 13,000 से अधिक मामले दर्ज किए हैं।

फिलिस्तीनियों की विस्तृत जानकारी के साथ गणना करना फिर शुरू

स्वास्थ्य मंत्रालय के निदेशक मेदहत अब्बास ने 'द एसोसिएटिड प्रेस'

से बातचीत में मृतकों की गिनती फिर शुरू किए जाने की पुष्टि की।

है। जर्मन सरकार ने दो नवंबर को प्रतिबंध लागू किया था और सैमिडॉन नामक एक समूह को भंग कर दिया था। जर्मनी की घरेलू खुफिया सेवा का अनुमान है कि देश में हमास के करीब 450 सदस्य सक्रिय हैं। ऐसे सदस्यों की गतिविधियों में सहानुभूति जताने और दुष्प्रचार गतिविधियों में भाग लेने से लेकर विदेशों में संगठन को मजबूत बनाने के लिए वित्तपोषण और धन जुटाना शामिल हैं।

प्रतिबंध लगाए जाने के बाद यह कार्रवाई की

हथियार और ड्रोन किए बरामद

इजराइली सेना के मुख्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हैगारी ने कहा कि शिफा गाजा का सबसे बड़ा अस्पताल है और हमास का सबसे बड़ा आतंकवादी केंद्र है। हमास बटालियन के कमांडर यहां से कमान एवं नियंत्रण का काम कर रहे हैं और वे यहां से रॉकेट दाग रहे हैं। इजराइली सैनिकों ने विदेशी पत्रकारों को वे हथियार दिखाए, जो उनके अनुसार शिफा से बरामद हुए हैं। इन हथियारों में एके-47 असॉल्स राइफल, 20 ग्रेनेंड और कई ड्रोन शामिल है। हैगारी ने कहा कि ये हथियार एक छोटा नमूना मात्र हैं।

न्यूमोनिया बैक्टीरिया: श्वसन तंत्र को कर रहा प्रभावित

रहस्यमयी बीमारी ने चीन में फिर से बरपाया कहर

चीन अब भी कोरोना वायरस की मार से उबर नहीं पाया है। इस बीच देश में एक और रहस्यमयी बीमारी ने कहर मचा दिया है। इसे निमोनिया माना जा रहा है, लेकिन इसके बारे में अब तक कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आ सकी है। देश के ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों में इसके शिकार पाए गए हैं। इसके चलते चीन में हालात कोरोना के शुरुआती दौर जैसे हो गए हैं और बड़े पैमाने पर अस्पतालों में लोगों को भर्ती कराना पड़ रहा है।

इसी महीने की शुरुआत में चीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने मीडिया से बताया था कि देश में सांस संबंधी बीमारी से जुड़े लोगों की संख्या में इजाफा हुआ है। चीनी प्रशासन का मानना है कि सांस लेने संबंधी परेशानियां बढ़ने की वजह कोरोना से जुड़ी पाबंदियों में कमी आना है। इसके अलावा इन्फ्लुएंजा वायरस, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया को भी इसकी वजह माना जा रहा है। इस बार चीन में वायरस युवा लोगों को ही ज्यादा बीमार बना रहा है। चीनी स्वास्थ्य अथॉरिटी का कहना है कि न्यूमोनिया का बैक्टीरिया श्वसन तंत्र को ही प्रभावित कर रहा है। केस ज्यादा बिगड़ने पर फेफड़े भी इससे प्रभावित हो रहे हैं।



अस्पतालों की व्यवस्था प्रभावित

बीजिंग में इन दिनों सर्दी बह्त ज्यादा हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इसमें और गिरावट आने वाली है। ऐसे में एक तरफ मौसम के कहर और दूसरी तरफ रहस्यमयी बीमारी ने कमर ही तोडकर रख दी है। बीजिंग और लियाओनिंग के अस्पतालों में व्यवस्था चरमराती दिख रही है। युवाओं और बच्चों की बड़ी संख्या अस्पताल पहंच रही है। इस संकट की वजह से स्कूलों को भी कुछ दिन के लिए बंद करना पड़ सकता है।

डब्ल्यूएचओ ने जताई चिंता

जिनेवा। चीन में आई इस रहस्यमयी बीमारी की लहर ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की चिंता भी बढ़ा दी है। डब्ल्युएचओ ने पूछा है कि आखिर इसकी वजह क्या है और अब तक क्या आंकडा बीमारों का रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन से पूरा डेटा मांगा है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि वह हेल्थ एडवाडजरी जारी करे कि लोग बाहर कम निकलें ताकि इंफेक्शन कम से कम रहे। डब्ल्यूएचओ



यह स्टडी करना चाहता है कि आखिर बीमारी क्या है और क्या इसकी वजह से दुनिया को एक बार फिर से अलर्ट होने की जरूरत है या नहीं। गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण के चलते भी चीन निशाने पर था। डब्ल्यूएचओ समेत तमाम संगठनों ने कोरोना से निपटने के चीन के तरीके पर सवाल उठाए थे।

चुनाव चिह्न 'बल्ले' के लिए 20 दिन में चुनाव कराने जरूरी

PTI कराए संगठन के चुनाव: ECP

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को गुरुवार को आदेश दिया कि वह अपने चुनाव चिह्न के रूप में 'बल्ले' को बरकरार रखने के लिए 20 दिनों के भीतर पार्टी के अंदरूनी चुनाव कराए।

पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने कहा कि पीटीआई ने संविधान के मुताबिक पारदर्शी तरीके से चुनाव नहीं कराया। आयोग ने अगस्त में पीटीआई को चुनाव कराने के लिए अंतिम चेतावनी दी थी, अन्यथा उसे चुनाव चिह्न प्राप्त करने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। इस मामले में निसार अहमद दुर्रानी की अध्यक्षता वाले चार



सदस्यीय आयोग ने मामले की सुनवाई की। मामले पर अपना सुरक्षित फैसले की घोषणा करते हुए ईसीपी ने गुरुवार को पीटीआई को अंतर-पार्टी चुनाव कराने और इसके सात दिनों के भीतर आयोग

को एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश

इमरान 28 को कोर्ट में होंगे हाजिर

डस्लामाबाद। पाकिस्तान की विशेष एक अदालत ने गुरुवार को सिफर (राजनयिक केंबल) मामले की सुनवाई के लिए जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को 28 नवंबर को संघीय न्यायिक परिसर में पेश करने का आदेश दिया। विशेष अदालत के न्यायाधीश अबुअल हसनत

जुल्करनैन ने संघीय न्यायिक परिसर (एफजेसी) में मामले की सुनवाई के दौरान यह निर्देश जारी किया। इससे पहले इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने मंगलवार को प्रक्रियात्मक आधार पर जेल में चल रही सुनवाई को रद्द घोषित कर दिया था। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा था कि अब तक की कार्यवाही दूषित थी। विशेष अदालत के न्यायाधीश ने गुरुवार को उच्च न्यायालय के आदेश की एक प्रति मांगी। उन्होंने खान और कुरैशी को 28 नवंबर को तलब किया तथा मामले की सुनवाई तब तक के लिए स्थगित कर दी।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को दो विकेट से हराया

एजेंसी । विशाखापत्तनम

पहली बार राष्ट्रीय टीम की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव और इशान किशन के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से भारत ने गुरुवार को यहां जोश इंग्लिस के करियर के पहले अंतरराष्ट्रीय शतक पर पानी फेरते हुए रोमांचक पहले टी20 में ऑस्ट्रेलिया को दो विकेट हराकर पांच मैचों की शृंखला में 1-0 की बढ़त बनाई। ऑस्ट्रेलिया



के 209 रन के लक्ष्य का पीछा 42 गेंद में चार छक्कों और नौ करते हुए भारत ने सूर्यकुमार की चौकों से 80 रन की पारी और

किशन (39 गेंद में 58 रन, पांच छक्के, दो चौके) के साथ तीसरे विकेट की उनकी 112 रन की साझेदारी से 19.5 ओवर में आठ विकेट पर 209 रन बनाकर जीत दर्ज की। रिंकू सिंह 14 गेंद में 22 रन बनाकर नाबाद रहे। यह लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की सबसे बड़ी जीत है। भारत ने इससे पहले 2019 में वेस्टइंडीज के 208 रन के लक्ष्य को हासिल किया था।



सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित। संपादक: विनायक शर्मा *, फोन नं. : 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल**: news@sachbedhadak.com, RNI No. : RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।



"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए



https://rb.gy/3bkrnl







